जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 75 प्रभात बीकानेर, शनिवार 5 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

क्या मोहन भागवत, मोदी से सीधी लड़ाई चाहेंगे, नये पार्टी अध्यक्ष के प्रश्न पर?

जब तक मोदी प्र.मंत्री हैं, मोहन भागवत अपने उम्मीदवार संजय जोशी को शायद भाजपा के अध्यक्ष के रूप में नहीं देख पायेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। आर.एस.एस. और भाजपा नेतृत्व के बीच चल रहे तनावपूर्ण संबंध अब भाजपा अध्यक्ष पद को लेकर तीव्र रस्साकशी का रूप ले चुके हैं।

पार्टी अध्यक्ष पद से जे.पी. नड्डा के रिटायरमैंट के बाद, भाजपा और आर.एस.एस. अगले पार्टी अध्यक्ष के चयन के मामले में परस्पर पूर्ण रूप से सहमत नहीं हैं। इसलिये नये अध्यक्ष के मिलने तक नड्डा इस पद पर बने हुये हैं।

राजनैतिक हलकों में ऐसी अटकलें जोरों पर है कि आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत पार्टी अध्यक्ष पद पर संजय जोशी को प्रतिष्ठित किये जाने पर पूरा जोर दे रहे हैं, किन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस व्यक्ति से घोर नफरत है।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि मोदी और शाह, जोशी को किसी भी प्रकार स्वीकार नहीं करेंगे।

जोशी एक ऐसे नेता बन गए हैं, जिनकी भाजपा और आर.एस.एस. में बहुत माँग है तथा कार्यकर्ता, नेता, मंत्री तथा अन्य लोग उनसे मिलने की कतार में लगे रहते हैं। यह तो स्पष्ट है कि उन्हें आर.एस.एस. के शीर्ष नेतृत्व का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, लेकिन सवाल यह है कि, मोहन भागवत, मोदी के साथ इस हद तक खुले टकराव की स्थिति तक पहुँच जायेंगे क्योंकि वे प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा को तोड़ने का जोखिम भी उठा सकते हैं।

भाजपा नेताओं का कहना है कि मोदी पलटवार करते हुये, आर.एस.एस. के चहेते योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा सकते हैं और इस बात को मोहन भागवत बिल्कुल नहीं चाहेंगे।

भाजपा अध्यक्ष पद के लिये कई नाम चर्चा में हैं, जैसे- राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, नितिन गडकरी आदि, लेकिन इन नामों पर भाजपा तथा आर.एस.एस. का शीर्ष नेतृत्व परस्पर एकमत नहीं है।

एक संभावना और भी चर्चा में तथा विचाराधीन है- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मोदी तथा भागवत, दोनों के ही निकट हैं। लेकिन राजनाथ सिंह एक कमज़ोर व्यक्ति हैं तथा यह भी हो सकता है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अगर भागवत, संजय जोशी को पार्टी अध्यक्ष बनवाने में सफल हो गये तो, भागवत जानते हैं कि इससे पार्टी में विभाजन भी हो सकता है।
- अतः कई और नाम चलाये जा रहे हैं, जैसे नितिन गड़करी, वसुंधरा राजे। पर, इन नामों में से किसी भी नाम पर आम सहमति नहीं बन रही है। अतः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का नाम चलाया गया है। पर, वे एक कमज़ोर व्यक्ति माने जाते हैं, अतः दोनों खेमों का मानना है कि राजनाथ सिंह किसी भी खेमे का राजनीतिक एजेंडा पूरा नहीं कर पायेंगे।
- अगर भाजपा चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हार जाती है तो कमज़ोर पी.एम. अपनी ज़िद पर नहीं अड़ पायेंगे, अतः इन हालात में संजय जोशी भाजपा अध्यक्ष बन सकते हैं।
- साथ ही मोदी-शाह द्वय आर.एस.एस. के प्रिय, यू.पी. के मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ को भी यू.पी. के मु.मंत्री पद से हटाने की मुहिम और सक्रिय कर सकते हैं।
- अतः भाजपा के नये अध्यक्ष की गुत्थी सुलझती नज़र नहीं आ रही है और तब तक नड्डा एक्सटेंशन पर चलते रहेंगे।

क्षत्रप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। हरियाणा के दलित नेता अशोक तवँर की कांग्रेस में वापसी कोई अपवाद नहीं है। यह वही

- जब केन्द्रीय सत्ता कमज़ोर होती है तो क्षत्रप मनमानी करते हैं।

कहानी है कि जब भी केन्द्रीय नेतृत्व कमजोर हो जाता है तो अवसरवादियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा छोड़ कांग्रेस में क्यों लौटे तँवर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। पूर्व

- कांग्रेस छोड़कर पहले आप और फिर भाजपा में जाने वाले दलित नेता अशोक तँवर ने कांग्रेस में वापसी पर कहा कि भाजपा की बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान में आस्था नहीं हैं, इसलिए वे कांग्रेस में लौट आए हैं।

कांग्रेस सांसद डॉ. अशोक तँवर ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने भाजपा इसलिये छोड़ी, क्योंकि उसका बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान में कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मां-बेटी ने घर में बंद होकर आदमखोर पैंथर से जान बचाई

सरिस्का, रणथम्भौर और केवलादेव के अधिकारी भी सर्च टीम में शामिल हुए

- गोगुंदा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे पैंथर के हमलों से ग्रामीणों में वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ भारी गुस्सा नज़र आ रहा है।
- गोगुंदा के खेड़ा गांव में गुरुवार को फिर से पैंथर का मूवमैंट देखा गया। पैंथर ने मां-बेटी पर हमला करने की कोशिश की, पर, उन्होंने घर में बंद होकर अपने को बचा लिया। पैंथर मुर्गियों का शिकार करके चला गया।

उदयपुर, 4 अक्टूबर (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा-बड़गांव उपखंड की तीन पंचायतों के गांवों में आदमखोर पैंथर का आतंक इतना बढ़ गया है कि अब ग्रामीणों का सब्र भी टूटने लगा है। आदमखोर पैंथर ने पहला शिकार 9 सितंबर को किया था उसे अब तक 15 दिन बीत चुके हैं। ग्रामीण हर पल मौत के साए में जी रहे हैं। इधर, इन 15 दिन में वन विभाग, पुलिस और प्रशासन आदमखोर पैंथर को पकड़ने या शूट करने में नाकाम साबित हुआ है।

गुरुवार देर रात भी एक मां-बेटी आदमखोर पैंथर का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। दोनों ने घर बंद कर अपनी जान बचाई। वहीं, 9 लोगों को मार चुके आदमखोर पैंथर को पकड़ने के लिए अब शूटर्स की नई टीम बनाई गई है। सरिस्का, रणथंभौर और केवलादेव के अधिकारियों को इसमें शामिल किया गया है। टीम को वाइल्डलाइफ सी.सी.एफ. टी. मोहन राज लीड करेंगे। आदमखोर पैंथर को घेरने के लिए पूरे एरिया में वन विभाग के 50 से अधिक कर्मचारी और 12 शूटर्स एक सप्ताह से पैंथर को ट्रैंकुलाइज़ करने की कोशिश में लगे हैं।

जिले के गोगुंदा और झाडोल एरिया में बीते करीब 15 दिन से पैंथर लगातार हमले कर रहा है। यहां के चार से ज्यादा गांवों में दहशत है और ग्रामीणों में वन विभाग व प्रशासन के खिलाफ गुस्सा है। गुरुवार शाम को भी लोगों ने विभागीय कर्मचारियों पर पथराव किया था। गोगुंदा के खेडा गांव में पैंथर का गुरुवार रात को फिर से मूवमेंट देखा गया है। रात करीब नौ बजे पूनाराम गमेती के घर के बाहर पैंथर ने एक मां-बेटी पर अटैक करने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने खुद को घर में बंद कर जान बचाई। कुछ देर बाद ग्रामीणों के आने पर परिवार बाहर निकला तो पता चला कि पैंथर मुर्गियों का शिकार कर चला गया है। ये गांव कुडाऊ से 3 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां 25 सितंबर की रात आदमखोर पैंथर ने 5 साल की बच्ची सूरज का शिकार किया था।

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक पवन उपाध्याय ने बताया कि पैंथर को शूट करने के लिए शुक्रवार से स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया गया है। दो टीमें फील्ड में सक्रिय हैं। पहली टीम 4 से 6 अक्टूबर तक गोगुंदा में रहेगी। टीम को सी.सी.एफ. वाइल्डलाइफ जयपुर टी. मोहन राज लीड कर रहे हैं। इनके साथ टीम में सरिस्का फील्ड डायरेक्टर संग्राम सिंह और रामगढ़ विषधारी डी.सी.एफ. संजीव शर्मा हैं। मुख्य वन संरक्षक उदयपुर सुनील छिद्री ने बताया कि स्पेशल ऑपरेशन चलाने के लिए ई.आर.टी. टीम गोगुंदा पहुंच चुकी है। इनके नेतृत्व में ऑपरेशन के लिए रणनीति बनाई गई है। जल्द ही पैंथर को पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए उसे ट्रैंकुलाइज़ किया जाएगा, यदि वह पकड़ में नहीं आता है तो उसे शूट कर देंगे। यदि इस टीम को सफलता नहीं मिलती है तो दूसरी टीम 7 से 9 अक्टूबर स्पेशल ऑपरेशन चलाएगी। दूसरी टीम में ए.पी. सी. एफ. वाइल्ड लाइफ राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप केआर और केवलादेव नेशनल पार्क भरतपुर के डी.सी.एफ. मानस सिंह शामिल हैं। ये 7 अक्टूबर को गोगुंदा आएंगे।

इधर गोगुंदा क्षेत्र में लगातार बढ़ते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 4 अक्टूबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त युवक को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर चालीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पीड़िता के साथ

- अभियुक्त धर्म भाई बनकर पीड़ित परिवार के साथ रहता था। उसने नशीला पानी पिलाकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

जबरन दुष्कर्म किया है। यदि इसमें पीड़िता की सहमति भी होती तो भी यह अपराध ही श्रेणी में माना जाता, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश श्योराण ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईड्रोजन ट्रेन

रेल दुर्घटनाओं की लम्बी लिस्ट से निरुत्साहित नहीं है भारतीय रेलवे, अब आधुनिकतम ''हाईड्रोजन ट्रेन'' शुरु करने की तैयारी में है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। ऐसा लगता है, पिछले महीनों में आए दिन हुई रेल दुर्घटनाओं से भारतीय रेलवे की आगामी योजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा हैं। उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत सैक्शन पर आगामी दिसम्बर में हाइड्रोजन से चलने वाली भारत की पहली ट्रेन के ट्रायल की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। अगर ये ट्रायल सफल रहते हैं तो 35 सिक्स कार हाइड्रोजन ट्रेन भारतीय रेल में शामिल की जाएंगी तथा आठ हेरिटेज रुटों पर चलाई जायेंगी। इन रुटों में दार्जलिंग हिमालयन रेलवे भी शामिल है।

इस प्रगति के साथ ही, भारत हाइड्रोजन ट्रेन संचालित करने वाला विश्व का पाँचवा देश बन जायेगा। जिन अन्य चार देशों में हाइड्रोजन ट्रेन चल रही हैं, वे हैं- जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस तथा चीन। हाइड्रोजन फ्यूल सैल ट्रेन ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जित नहीं करती है। इससे

- इन ट्रेन का ईंधन हाईड्रोजन होता है, अतः ''कार्बन फुट प्रिंट'' लगभग ज़ीरो है, पर, हाईड्रोजन ऊर्जा को ट्रेन चलाने के लिये उपयुक्त ऊर्जा बनाने में काफी समय व मेहनत लगती है, अतः हाईड्रोजन ट्रेन कम स्पीड पर ही चल पाती है।
- भारतीय रेलवे आठ हैरिटेज रूट्स, जैसे दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे पर ये हाईड्रोजन ट्रेन चलायेगी प्रारम्भ में। इसके लिये छः डिब्बों वाली पैंतीस हाईड्रोजन ट्रेन्स का ऑर्डर दिया है, भारतीय रेलवे ने।

परिवहन के इस सार्वजनिक साधन, अर्थात रेलगाड़ियों को अपने कार्बन फुट प्रिन्ट्स को कम करने में मदद मिलेगी। इसमें असुविधा यह रहेगी कि लोकोमोटिव पावर में बदलने के लिये, इस प्रकार की ट्रेनों को बहुत ज्यादा ऊर्जा की आवश्यकता होगी। इसलिये, ये ट्रेन डीजल से चलने वाली ट्रेनों की अपेक्षा कम रफ्तार से ही चलाई जा सकती हैं।

भारतीय रेलवे ने सेफ्टी ऑडिट संचालन के लिये जर्मन टी.यू.वी. - एस.यू.डी. के साथ पार्टनरशिप की हैं, जबकि एक वर्तमान डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डी.ई.एम.यू.) पर हाइड्रोजन फ्यूल सैल की रैट्रोफिट के लिये एक पायलट प्रोजेक्ट शुरु किया गया है तथा आवश्यक मूलभूत इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम शुरु कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हाइड्रोजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर तीसरी मंजिल से कूदे

महाराष्ट्र, 04 अक्टूबर। महाराष्ट्र के मंत्रालय में अजित पवार गुट के विधायक और विधानसभा के डिप्टी स्पीकर उपाध्यक्ष नरहरि झिरवल मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूद गए। छत से कूदे नरहरि और सुरक्षा जाली पर अटक गए। झिरवल के बाद कुछ और आदिवासी विधायक भी कूद गए। हालांकि, नीचे जाली रहने के कारण सभी की जान बच गई। झिरवल धनगर समाज को एस.टी. कोटे से आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। नरहरि झिरवल महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष हैं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं।

बता दें कि आज महाराष्ट्र के आदिवासी समाज के विधायक मंत्रालय में आंदोलन कर रहे हैं। इस दौरान विधायक मंत्रालय के दूसरी मंजिल पर लगाई गई सुरक्षा जाली पर कूद पड़े और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने विधायकों को सुरक्षा नेट से हटा दिया है।

बताया जा रहा है कि वे एकनाथ शिंदे सरकार की तरफ से धनगर समाज को एसटी का दर्जा दिए जाने के फैसले के खिलाफ हैं। वे अपनी ही सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना अपना सारा सामान देश में बनायेगी

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन का भी जिक्र किया

- वायुसेना अपनी जरूरत का सभी सामान भारत में ही बनाने पर विचार कर रही है। इस काम को पूरा करने के लिए वायुसेना ने समय भी तय किया है
- वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने बताया कि इस निर्णय को पूरा करने के लिये 2047 तक की समय सीमा तय की गई है।

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। पूरी दुनिया में इस वक्त उथल-पुथल के हालात हो रहे हैं और दुनिया दो गुटों में बंटती हुई नजर आ रही है। ऐसे समय में भारत की ओर से भी भविष्य की स्थित को ध्यान में रखते हुए एक के बाद एक बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय वायुसेना ने भी बड़ा फैसला किया है। वायुसेना अपनी जरूरत का सभी सामान भारत में ही बनाने पर विचार कर रही है। इस काम को पूरा करने के लिए वायुसेना ने समय भी तय किया है।

दरअसल, भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी है। वायुसेना दिवस से कुछ ही दिन पहले उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनावों और संघर्षों पर चर्चा की। इस दौरान वायुसेना के प्रमुख ने कहा कि भविष्य की किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए स्वदेशी हथियार प्रणालियों का होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही है। आपको बता दें कि हर साल 8 अक्टूबर को वायुसेना दिवस मनाया जाता है।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एल.ए.सी. पर बुनियादी ढ ांचे का निर्माण काफी तेजी से कर रहा है। चीन, खासकर लद्दाख सेक्टर में ये काम ज्यादा कर रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल का जवाब देते हुए वायुसेना प्रमुख ने बताया कि रूस ने भारत को एस-400 मिसाइल सिस्टम की तीन यूनिट की आपूर्ति कर दी है।

तिरुपति प्रसादम प्रकरण की जाँच के लिए एस.आई.टी. गठित की सुप्रीम कोर्ट ने

सी.बी.आई. के डायरेक्टर के सुपरविज़न में एस.आई.टी. जाँच करेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति के प्रसादम (लड्डू) में इस्तेमाल होने वाले घी में पशु चर्बी की मिलावट की जाँच के लिए स्वतंत्र स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) गठित करने का फैसला सुनाया है।

जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने आदेश दिया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एस.आई.टी. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एस.आई.टी. से इस मामले की जाँच टेक ओवर करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. निदेशक से इस एस.आई.टी. में दो अफसर नियुक्त करने को कहा है। दो अफसर आंध्र प्रदेश पुलिस से लिए

- जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा कि कोर्ट द्वारा गठित एस.आई.टी. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में गठित एस.आई.टी. से जाँच टेक ओवर करेगी।
- सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 5 सदस्यीय एस.आई.टी. में दो सदस्य सी.बी.आई. से, दो सदस्य आंध्र प्रदेश पुलिस से होंगे, पाँचवे सदस्य के रूप में फूड सेफ्टी एण्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष को मनोनीत किया गया है।

जाएंगे और पाँचवा अफसर फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.ए.आई.) से लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सी.बी.आई. निदेशक जाँच की निगरानी करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि करोड़ों भक्तों की भावनाओं को देखते हुए हमें लगता है कि मामले की जाँच स्वतंत्र एस.आई.टी. द्वारा की जानी चाहिए, जिसमें सी.बी.आई., राज्य सरकार और एफ.एस.एस.ए.आई. के प्रतिनिधि हों।

जिस तरह से आंध्र प्रदेश सरकार और टी.टी.डी. के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है, उसे देखते हुए कोर्ट ने कह दिया कि हम कोर्ट को राजनीति का मैदान बनाने की अनुमति नहीं देंगे।

पूर्व में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि केन्द्र को राज्य की एस.आई.टी. पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके सदस्यों की अच्छी प्रतिष्ठा है, पर केन्द्र चाहता है कि एक वरिष्ठ आई.पी.एस. अफसर केन्द्र की तरफ से निगरानी करे।

लेकिन याचिकाकर्ताओं, जिनकी तरफ से कपिल सिब्बल कोर्ट में थे, ने स्वतंत्र एस.आई.टी. की मांग की। राज्य सरकार के वकील मुकुल रोहतगी और टी.टी.डी. के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट के आदेश पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

मालदीव के राष्ट्रपति 7 से 10 अक्टूबर तक भारत यात्रा पर

नयी दिल्ली, 04 अक्टूबर। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू 07 अक्टूबर से भारत आ रहे हैं वे 10 तक रहेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में कहा, मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 07 अक्टूबर 10 अक्टूबर तक राजकीय यात्रा पर

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की यह भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

भारत आएंगे। वह 06 अक्टूबर की देर शाम नयी दिल्ली पहुंचेंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।

उन्होंने कहा कि इससे पहले वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए इसी वर्ष जून में भारत आए थे।

इज़रायल के जवाबी हमले में हिजबुल्लाह व हमास के नये चीफ मारे गये

- इज़रायल ने बेरुत एयरपोर्ट के पास देर रात हमला किया। हमास प्रमुख जही यासर औफी को मार गिराने का दावा किया। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ अधिकारी हाशेम सफीदीन को मार दिया गया।
- सफीदीन वह व्यक्ति है, जिसे हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जाता है। इस मामले पर किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

इज़रायल, 04 अक्टूबर। ईरान की मिसाइल अटैक के जवाब में इज़रायल ने हिजबुल्लाह और हमास पर हमले शुरू कर दिए हैं। इज़रायल ने बेरूत एयरपोर्ट के पास देर रात हमला किया। एक के बाद एक 10 एयरस्ट्राइक से बेरूत का आसमान गूंज उठा। इसके साथ ही इज़रायल की सेना का जमीनी ऑपरेशन भी जारी है। इज़रायल ने हमास प्रमुख जही यासर अब्द अल-रज़ेक औफी को भी मार गिराने का दावा शेयर किया है। वहीं, न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने एक रिपोर्टर के हवाले से बताया कि इज़रायल के हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह अधिकारी हाशेम सफीदीन को भी निशाना बनाया गया। इस बीच हिजबुल्लाह ने भी इज़रायली सेना के 17 अधिकारियों और सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है।

इज़रायली सेना ने शुक्रवार को बताया कि उसने पश्चिमी तट के तुलकरम पर हमला करके हमास नेटवर्क के प्रमुख को मार गिराया है। सेना ने एक बयान में हमास के आतंकवादी की पहचान जही यासर अब्द अल-रज़ेक औफी के रूप में की गई। वहीं, एक्सियोस के रिपोर्टर बराक रविद ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इज़रायली स्त्रोत का हवाला देते हुए कहा कि बेरूत पर इज़रायली हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह अधिकारी हाशेम सफीदीन को निशाना बनाया गया। सफीदीन वह व्यक्ति है, जिसे हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जाता है। इस मामले पर किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

इज़रायल ने अब तक यह तय नहीं किया है कि ईरान के हमले का जबाव कैसे देना है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन यह साफ कर चुके हैं कि अगर इज़रायल ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला करता है तो अमेरिका इसका समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, जब बाइडन से पूछा गया कि क्या इज़रायल ईरान के तेल कुओं पर हमला करने वाला है तो उन्होंने कहा कि वह इस पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं करेंगे। बाइडन के बयान से तेल की कीमतों में उछाल आया है।

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

घटिया और नकली दवाओं से बिगड़ रही है सेहत

केंद्रीय औषधि नियामक की रोजमर्रा में काम आने वाली दवाओं के जाँच में फेल होने पर लोग सकते में है। केंद्रीय औषधि नियामक की माह अगस्त की हाल ही जारी मासिक रिपोर्ट में बताया है बुखार, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, पेट में संक्रमण आदि स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिन दवाओं का आप इस्तेमाल करते हैं, असल में उनकी क्वालिटी खराब है। इतना ही नहीं, बहुत सी दवाएं तो नकली हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियों के ब्रांड के नाम से बेचा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पैरासिटामोल, पैन डी और कैल्शियम सप्लीमेंट सहित 53 दवाएं क्वालिटी चेक में फेल हो गई हैं। क्वालिटी चेक में फेल होने वाली दवाओं में विटामिन सी और डी3 टैबलेट, शेलकल, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन सी सॉफ्टजेल, एंटी-एसिड पैन-डी, पैरासिटामोल टैबलेट (आईपी 500 मिलीग्राम), एंटी डायबिटीज दवा ग्लिमेपिराइड और हाई बीपी की दवा टेल्मिसर्टन शामिल हैं। इन दवाओं के उपयोग को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो गई हैं। आप दवाई खरीदने के लिए बाजार में जा रहे हैं तो पूरी सावधानी और सतर्कता बरतते हुए दवाइयों की जाँच करके लें और अपनी दवाइयों को डॉक्टर को एक बार जरूर दिखा दें, क्योंकि इन दिनों बाजार में घटिया दवाइयां को असली बता कर खुलेआम बेचा जा रहा है। देश में हर बीमारी के लिए नकली दवाएं उपलब्ध हैं। इन नकली दवाओं की पहचान करना आप और हमारे लिए बेहद मुश्किल और लगभग असंभव है। हमारे देश में अंग्रेजी दवाइयों ने घर घर में अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है। जिसे देखो अंग्रेजी दवाइयों के पीछे भागता मिलेगा। सामान्य बीमारियों से लेकर असाध्य बीमारियों की दवा आज घरों में मिल जाएगी। इनमें चिकित्सकों द्वारा लिखी दवाइयों के अलावा वे दवाइयां भी शामिल है जो मेडिकल स्टोर्स से बीमारी बताकर खरीदी गई है अथवा गूगल से खोजकर निकाली गई है। ये दवाइयां असली है या घटिया अथवा नकली ये भी आम लोगों को मालूम नहीं है। घटिया दवाइयों का बाजार आजकल खूब फलफूल रहा है। आये दिन घटिया और नकली दवाइयां बरामद करने की खबरें मीडिया में सुर्खियों में पढने को मिल रही है। इन दवाइयों के सेवन से साधारण खांसी बुखार और जुखाम को ठीक होने में एक पखवाड़ा या महीना लग जाता है। इसके बावजूद ऐसी दवाइयां खरीदने में हमें कोई हिचकिचाहट नहीं हो रही है।

सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद देश में घटिया और नकली दवाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लगाई जा सकी है, जिसके कारण देश के लाखों लोगों की सेहत सुधरने के बजाय बिगड़ रही है। भारत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है। विशेषज्ञों के मुताबिक जो दवाएं धोखाधड़ी से निर्मित या पैक की गई हैं, उन्हें नकली और घटिया दवाएं कहा जाता है क्योंकि उनमें या तो सक्रिय अवयवों की कमी होती है या गलत खुराक होती है। नकली दवाओं के काले-कारोबार पर पुलिस और सरकारी एजेंसियों की छापेमारी की खबरें आये दिन मीडिया की सुर्खियां बनती हैं।

आप दवाई खरीदने के लिए बाजार में जा रहे हैं तो पूरी सावधानी और सतर्कता बरतते हुए दवाइयों की जाँच करके लें और अपनी दवाइयों को डॉक्टर को एक बार जरूर दिखा दें, क्योंकि इन दिनों बाजार में घटिया दवाइयां को असली बता कर खुलेआम बेचा जा रहा है। देश में हर बीमारी के लिए नकली दवाएं उपलब्ध हैं।

अनेक बार लाखों-करोड़ों रुपयों की घटिया दवाएं खपत होने के बाद सरकारी एजेंसियों की नज़र में आती है। बहुदा ऐसा भी देखा जाता है जब तक इन दवाओं की घटिया होने की रिपोर्ट आती है तब तक ये बाजार में बिक चुकी होती है। देश की राजधानी दिल्ली भी घटिया दवाओं के सरेआम इस्तेमाल से अछूती नहीं है। हाल ही में दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी अस्पतालों में सप्लाई की जा रही खराब गुणवत्ता की दवाओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से कराने की सिफारिश की है।

उपराज्यपाल ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि निजी और सरकारी लैब में टेस्ट की गई ये दवाएं अच्छी गुणवत्ता की नहीं निकलीं। उन्होंने कहा कि ये दवाएं दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में लाखों मरीजों को दी जा रही हैं। इससे पूर्व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में कैंसर और लीवर की नकली की बिक्री को लेकर अलर्ट जारी किया था। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर को दो दवाओं लीवर की दवा डिफिटेलियो और कैंसर की दवा (इंजेक्शन) के नकली वर्जन की बिक्री और डिस्ट्रिब्यूशन पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिये।

भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही है। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। साल 2024 में 10-11 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के 55 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ ही नकली और घटिया की दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है जिससे लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। एसोचैम ने अपनी एक रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बिकने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है। देश में नकली और घटिया दवाओं की बाढ़ आ गई है। आये दिन देश के विभिन्न भागों में घटिया और अमानक दवाऐं पकड़ी जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित विभिन्न देशों में नकली दवाओं का कारोबार लगभग तीस अरब डॉलर तक पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत नकली दवाओं का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत में 25 फीसदी के करीब दवाइयां नकली है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

जेल में उत्सव

राजेन्द्र जोशी

अपराधी को संभलने एवं अपने किए पर प्राश्चित करने का स्थान हमारे देश की जेले रहीं हैं । हमारे देश में ऐसे अनेक उदाहरण है जहां जेल में रहकर विद्वान बने हैं, बहुत सारे पंडित-मौलवी भी जेल में बंद रहते हुए सिद्ध हो गए। किसी बंदी को जेल में इसीलिए भेजा जाता है कि उसे अपने किए पर पछतावा हो। वह सद्कर्म करते हुए अपराध पर पछतावा करें और जेल प्रवास में रहकर सुखमय एवं समाज में अपनी दूषित छवि को फिर से उजली बना सके।

जेलों में सुधार के लिए वर्षों पहले एक अभियान चलाया गया था, लेकिन उस अभियान के दौरान भी जाति आधारित काम करने की बाध्यता पर विचार नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए नागरिकों को रक्षा एवं सुरक्षा प्रदान करते हुए कैदियों में जातिगत भेदभाव नहीं रखने का स्पष्ट आदेश दिया है। हमारे देश में सुप्रीम कोर्ट नागरिकता के पक्ष में सदैव खड़ा रहता है। इस फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को तीन महीने में जेल मैन्युअल में जाति का कॉलम हटाने का आदेश दिया है। और यह भी कहा है कि तीन महीने बाद सुप्रीम कोर्ट इसकी समीक्षा खुद करेगा। यह फैसला नागरिकों को भरोसा और विश्वास दिलाता है। अनेक बार जेलों में बंदियों पर अत्याचार होना, झूठे मुकदमे दायर करना, और मानवीय प्रताड़ना के समाचार, समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं। भारतीय जेलों की दुर्दशा किसी से छुपी हुई नहीं है।

सरकारों द्वारा कहा तो यह जाता रहा है कि जेल बंदी सुधार गृह के रूप में पहचाने जाने चाहिए। लेकिन हुआ उल्टा । माननीय सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से जेलों में सुधार की गुंजाइश भी बनती है।

सरकारों को चाहिए की सच में जेलों को बंदी सुधार गृह के रूप में काम हो । बंद कैदियों के नागरिक अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें मूल अधिकारों से वंचित नहीं रखा जाए, जैसे चिकित्सा, शिक्षा, रोजगार एवं आदमी को जीने का अधिकार शत प्रतिशत जेल में भी मिले। ऐसी कल्पना ही नहीं बल्कि वास्तविकता में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जाति आधारित काम देना भारतीय संविधान की भावना के खिलाफ है। मैं पत्रकार सुकन्या शांता जी का स्वागत करना चाहूँगा, जिन्होंने हमारे माननीय सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाने वाला आलेख दिया। भारत में जातीय भेदभाव की समस्या से हम वर्षों से लड़ते आ रहे हैं।

जातिवाद के आधार पर व्यक्ति से काम कराना, भारत का संविधान भी इसकी इजाजत नहीं देता। हमारी सरकारे बार-बार संविधान संशोधन करती है, लेकिन अब ऐसा लगता है कि संविधान संशोधन पर विचार करने का काम कुछ नौकरशाह के हाथों में रह गया है। अगर सांसद संविधान को लेकर बैठे और संविधान संशोधन करने से पहले ऐसे विषयों की तरफ ध्यान लगाए तो इस तरह के काले कानून हमारे देश से बहुत जल्द विमुक्त हो जायेंगे। मैं एक बार फिर पत्रकार सुकन्या शांता और माननीय सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार प्रकट करता हूँ।

–राजेन्द्र जोशी,
साहित्यकार- शिक्षाविद्

समाज के लिए बहुत घातक है "आत्महत्या" जैसी घटनाएं

मिश्रीलाल पंवार

10 सितम्बर को दुनिया भर के जागरूक लोगों ने विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया। इस दिन अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।आत्महत्या रोकथाम पर चर्चाएं की गई। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस को लेकर जोधपुर के मेडिकल कॉलेज व महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मनोरोग विशेषज्ञों ने लगातार बढ़ रही सुसाइड की घटनाओं को लेकर चर्चा की। इसे कम करने और लोगों को डिप्रेशन से मुक्त करने के लिए अपने-अपने विचार रखे। चिकित्सा कर्मचारियों को डिप्रेशन से प्रभावित लोगों की मदद करने की शपथ भी दिलाई गई।

यूं देखा जाए तो 'आत्महत्या' पर वर्ष में केवल एक दिन चर्चा करना काफी नहीं है। आत्महत्या जैसी घटनाएं समाज के लिए लिए बहुत बड़ा चिंता का विषय है। इसकी असली पीड़ा वह जान सकता है, जिसके घर के किसी सदस्य ने आत्महत्या करके परिजनों के जीवन में अंधेरा कर दिया।

आजकल बदलते दौर में हर व्यक्ति किसी ना किसी परेशानी को लेकर चिंता में घिरा रहता है। आर्थिक तंगी, घरेलू कलह, कर्ज, एकाकी जीवन, बेरोजगारी तथा प्रेम प्रसंग में असफल रहने वाला व्यक्ति प्राय: डिप्रेशन में चला जाता है । जब डिप्रेशन चरम पर पहुंच जाता है तो आत्महत्या जैसे कदम उठा लेता हैं। पुलिस ऐसे मामले में रटा-रटाया जुमला सुना देती है कि आत्महत्या का कारण अज्ञात है। इसका परिणाम यह होता है कि समाज तक सच्चाई नहीं पहुंच पाती।

जोधपुर जिले की बात करें तो यहां आत्महत्या के बिना कोई दिन नहीं गुजरता। तालाब, नाडी, झील, टांके में कूदकर जान देने तथा रेल के आगे कूद कर जान देने के मामले तो आत्महत्या की फ़ेहरिस्त में शामिल ही नहीं हो पाते।

तालाब, नाडी, नहर बावड़ी में डूबने के मामलों में पुलिस का रटा-रटाया जुमला है कि पांव फिसलने से पानी में गिर गया। डूबने से मौत हो गई। इससे ज्यादा गहराई मे पुलिस जाना भी नहीं चाहती। इसी प्रकार रेल से कट कर मरने वालों की संख्या भी कम नहीं होती। इसमें भी पुलिस का तकिया कलाम है, "रेल पटरियों को पार करते ट्रेन की चपेट में आ गया।"

रोज शवों को देखने वाले पुलिसकर्मी इतने संवेदनहीन हो गए है कि वे आत्महत्या जैसे मामले की गंभीरता से नहीं लेते। वास्तविकता के करीब जाना ही नहीं चाहते। इसी माह जोधपुर में आत्महत्या के जितने मामले सामने आए हैं,वे चोंकाने वाले है। माह की शुरुआत में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 9 में रहने वाले युवक नरेन्द्र सिंधी ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस को आत्महत्या का कारण पता नहीं चला।

इसी प्रकार 9 सितम्बर दो युवकों ने खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। इस बारे में लूणी थाना पुलिस ने मर्ग की कार्रवाई की। पुलिस ने शवों को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस के अनुसार शंकरलाल यहां कांकाणी में रहता था। वह मजदूरी करता था। उसने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं लूणी के सिणली निवासी भीखाराम भील ने घर में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस को आत्महत्या का कारण पता नहीं चला। इसके दूसरे दिन 10 सितम्बर को पूर्वी पाल विस्तार शोभावतों की ढाणी में रहने वाली एक किशोरी ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि मूलत : बिहार हाल पूर्वी पाल विस्तार योजना, शोभावतों की ढाणी निवासी तेज बहादुर चौधरी की 16 वर्षीय पुत्री प्रियंका ने घर में कपड़े का फंदा बनाकर पंखे के हुक में लटक कर अपनी जान दे दी। उसके आत्महत्या का कारण पता नहीं चला।

12 सितम्बर को मसूरिया क्षेत्र टीवी टावर रोड पर रहने वाले एक युवक राकेश ने घर पर फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। उसके आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। 13 सितम्बर को बलदेवनगर मसूरिया क्षेत्र में रहने वाले पच्चास वर्ष के अधेड़ कानाराम भील ने अपने घर पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है।

18 सितम्बर को निकटवर्ती झंवर स्थित लूणावास चारणान गांव में केवलराम मेघवाल नामक युवक ने अपने घर पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।उसने आत्महत्या किस कारण की इस बारे में पता नहीं चला है।

19 सितम्बर को सूरसागर स्थित फिदूसर भाकरी में पत्थर की खान में भरे पानी में डूबने से 55 साल के प्रकाश मेघवाल की मौत हो गई। पुलिस का कहना है वह संभवत: पैर फिसलने से गिरा होगा।

20 सितम्बर को शहर के माता का थान स्थित भाकरबेरा, बासनी तंबोलिया में रहने वाले बासनी तंबोलिया निवासी 28 साल के कवि खां ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके आत्महत्या का कारण नहीं बताया गया।

21 सितंबर को शहर के भदवासिया में किराए के कमरे में रहने वाले एक युवक राधेश्याम ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वह यहां पर मजदूरी करता था। उसके आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है।

इसके दूसरे दिन 22 सितम्बर को मानसिक अवसाद में युवती ने डीजल डालकर किया आत्मदाह कर लिया। बोरानाडा पुलिस के अनुसार गांगाणा फांटा, नायरा पेट्रोल पंप के पास में रहने वाली 19 साल की बिस्मिल्ला ने 20 सितंबर को मानसिक अवसाद में आकर खुद पर डीजल डालकर आग लगा दी थी। जिस पर उसे झुलसी हालत में एमजीएच में भर्ती करवाया गया। मगर उसकी मौत हो गई। यह तो फांसी खाकर आत्महत्या करने वालों की बात है, इसके अलावा पानी में डूबने तथा रेल से कटने की घटनाएं भी कम नहीं हुई है।

मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. संजय गहलोत ने कहा- आत्महत्या करने वाला डिप्रेशन से ग्रसित होता है। सुसाइड से व्यक्ति की मनोदशा का संबंध होता है। निराशा में डूब कर स्वयं अपनी जान देने की प्रवृत्ति आजकल बहुत ज्यादा बढ़ गई है। इसने हर उम्र और हर वर्ग को अपनी चपेट में ले रखा है।

इसके लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी है। जन जागरुकता से एमडीएम हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. नवीन किशोरिया का कहना है कि वर्तमान परिवेश तनावपूर्ण हो चुका है। व्यक्ति पर किसी प्रकार का दबाव होने से डिप्रेशन में चला जाता है। इसके चलते परिजनों को डिप्रेशन के रोगी से हमेशा बात करते रहना चाहिए है।

उसके साथ ऐसा सद्व्यवहार करना चाहिए कि रोगी का तनाव दूर हो जाए। प्रयास करने से इंसान डिप्रेशन से फ्री हो सकते है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)
-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर

दो दिवसीय आभानेरी फेस्टिवल का आगाज, लोक गीतों पर थिरके विदेशी मेहमान

दो दिन तक आभानेरी फेस्टिवल में देशी व विदेशी सैलानी राजस्थानी संस्कृति और अतिथि-सत्कार का आनंद लेंगे

दौसा में दो दिवसीय आभानेरी फेस्टिवल में विदेशी पर्यटकों ने लुत्फ उठाया।

दौसा, (निसं)। राजस्थान पर्यटन विभाग और दौसा जिला प्रशासन व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त तत्वावधान में हैरिटेज टूरिज्म को चार चांद लगाने वाले दो दिवसीय आभानेरी फेस्टिवल का आगाज आभानेरी ग्राम में शुक्रवार को हुआ।

दो दिन तक यहां पर देशी व विदेशी सैलानी राजस्थानी संस्कृति और अतिथि-सत्कार का आनंद लेंगे। राजस्थानी रंग में रंगे सैलानियों ने यहां वीर रस से भरपूर कच्छी घोड़ी नृत्य पर ताल से ताल मिलाई तो बहरूपिया कला, कठपुतली कलाकारों व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने देशी- विदेशी सैलानियों का मन मोह लिया।

■ **पर्यटन विभाग, दौसा जिला प्रशासन व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है फेस्टिवल**

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आभानेरी ग्राम में देशी-विदेशी सैलानियों का स्वागत परम्परागत तरीके से माला पहनाकर व तिलक लगाकर किया गया।

उन्होंने कहा कि पहले दिन करीब 400 से 500 विदेशी सैलानियों की आमद हुई जबकि विद्यार्थियों शैक्षणिक ट्यूर व घरेलू पर्यटक भी यहां खासी संख्या में पहुंचे। उपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस फेस्टिवल के दौरान पर्यटन विभाग द्वारा यहां लखेरों, कुम्हार व लोहारों को हुनर दिखाने के लिए बुलाया गया।

विदेशियों ने लाख की चूड़ियों को बनते देखा, कुम्हार के चलते चाक व लोहारों के उत्पादों को देख विदेशी काफी प्रसन्न नजर आए।

उन्होंने स्थानीय हुनरमंदों से खरीददारी भी की। उन्होंने बताया कि इस फेस्टिवल के लिए जरिए हैरिटेज टूरिज्म को प्रमोट किया जाता है। उन्होंने कहा कि देशी-विदेशी सैलानियों को यहां पर कैमल कोर्ट की व्यवस्था है।

जिसके जरिए वे ग्राम-भ्रमण पर निकलते हैं, कैमल कोर्ट को विदेशियों सहित देशी सैलानी भी काफी पसंद कर रहे हैं।

यहां पर ग्राम में नुक्कड नाटकों का भी प्रदर्शन किया गया। शेखावत ने बताया कि आभानेरी ग्राम में दसवीं शताब्दी का हर्षद माता मंदिर व उसके पास ही विश्वविख्यात चांद बावड़ी सैलानियों के लिए खासी आर्कषण का केंद्र है।

सवेरे शाम तक सैलानी ग्राम दर्शन, चांद बावड़ी व माता के मंदिर के दर्शन करते हैं, वहीं शाम को सात से नौ बजे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन उन्हें मंत्रमुग्ध कर देता है।

राशिफल शनिवार 5 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र रात्रि 9:53 तक, विष्कुम्भ योग रविवार प्रात: 6:03 तक, तैतिल करण सायं 6:40 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 9:33 तक है। रवियोग रात्रि 9:33 से आरम्भ होगा। आज रवि उल सानि मु.मास 4 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:53 से 9:20 तक, चर 12:15 से 1:43 तक, लाभ-अमृत 1:16 से 4:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:25, सूर्यास्त 6:06

मेष
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

डेंगू रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी जारी, आंकड़ा 360 तक पहुंचा

बीकानेर,(कासं)। मौसमी बीमारियों के चलते डेंगू का डंक दिनों दिन तेज हो रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग अपने स्तर पर बीमारियों की रोकथाम के प्रयास कर रहा है। विभाग का मानना है कि इस माह में और डेंगू मरीज आने की संभावना है। जबकि नवम्बर में डेंगू पॉजिटिव की संख्या कुछ हद तक कम हो जायेगी।

फिलहाल गत चार दिनों में ही 25 नए मरीज डेंगू के रिपोर्ट हुए हैं। इससे पहले 29 सितम्बर तक 335 मरीज डेंगू पॉजिटिव मरीज सामने आये थे। तीन अक्टूबर तक यह संख्या 360 तक पहुंच गई है। इस सप्ताह यह संख्या और बढ़ने का अंदेशा जताया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सावधान रहते हुए मच्छरों को दूर भगाने के सभी उपाय करने की नसीहत दी है।

बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में डेंगू की जांच के लिए मरीजों की कतार लगी।

- **गत चार दिनों में ही 25 नए मरीज डेंगू के रिपोर्ट हुए हैं, इससे पहले 29 सितम्बर तक 335 मरीज डेंगू पॉजिटिव मरीज सामने आये थे**

जानकारी के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग की टीमें हर रोज करीबन 50 घरों का सर्वे कर रही हैं। खास तौर से उन इलाकों में जहां किसी घर से किसी व्यक्ति की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आई है। उसके मकाने के आसपास 50 मकानों का सर्वे शुरू कर दिया जाता है। पीड़ित व्यक्ति के घर के सभी सदस्यों की भी जांच की जाती है। साथ ही पानी जमा होने वाले स्थानों पर लार्वा को नष्ट किया जाता है। विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के करीब 250 विद्यार्थी प्रतिदिन सर्वे में जुटे हुए हैं।

डेंगू जांच दो तरह से की जाती है। एक एनएस वन एवं दूसरी आईजीएम पद्धति से। बीकानेर में इस समय एनएस वन के पॉजिटिव अधिक सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग इसी तथ्य को लेकर राहत की सांस ले रहा है। उसका मानना है कि एनएस वन पॉजिटिव ज्यादा खतरनाक नहीं है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता का कहना है कि बीकानेर के अलावा अन्य मेडिकल कॉलेजों में एनएस वन को गंभीर नहीं माना जाता है। हालांकि बीकानेर मेडिकल कॉलेज किसी भी तरह का रिस्क नहीं ले रही। एनएस वन को भी गंभीर मानते हुए कार्रवाई की जा रही है। इस वजह से बीकानेर में डेंगू के मरीज ज्यादा रिपोर्ट हो रहे हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह : पी.बी.एम अस्पताल के मानसिक रोग एवं नशा मुक्ति विभाग द्वारा शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का शुभारंभ किया गया। 10 अक्टूबर तक मनाए जाने वाले इस सप्ताह के तहत आमजन में जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। सप्ताह के पहले दिन शुक्रवार को ग्रीन रिबन गेट मीटिंग, पोस्टर विमोचन, प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. हरफूल सिंह, आचार्य डॉ श्रीगोपाल, डॉ विजय शंकर बोहरा, डॉ तुलसी शर्मा व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

मानसिक एवं नशा मुक्ति विभागाध्यक्ष डॉ हरफूल सिंह ने बताया कि आगामी सात दिवस में अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रमों के माध्यम से मानसिक रोग एवं इनके इलाज के लिए आमजन में जागरूकता जरूरी है। डॉ. सिंह ने बताया कि इस सप्ताह को मनाने का उद्देश्य आमजन को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देते हुए योग, ध्यान, अच्छी नींद, संतुलित आहार, व्यायाम आदि का महत्व बताया जायेगा। मानसिक स्वास्थ्य आमजन का मौलिक अधिकार है।

मानसिक बीमारियों का इलाज संभव है। मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रीन गेट रिबन मीटिंग का आयोजन किया गया। हरा रिबन मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का अंतर्राष्ट्रीय प्रतीक है। विभागाध्यक्ष डॉ हरफूल सिंह ने बताया कि इस सप्ताह में 'कार्यस्थलों पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है' के विषय पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेगी।

उन्होंने बताया कि सप्ताह के दूसरे दिन प्रातः10 बजे जिले की विभिन्न कोचिंग संस्थानों में छात्रों के लिए सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य पर स्वास्थ्य वार्ता सत्र, नारा व निबंध लेखन, पोस्ट निर्माण, महिलाओं की समस्या पर विचार गोष्ठी तथा 6 अक्टूबर को संवादात्मक सत्र का आयोजन किया जायेगा।

इसी प्रकार 7 अक्टूबर को रेजिडेंट डॉक्टर्स, पूर्व स्नातक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल छात्रों के साथ संवाद सत्र, सेवा आश्रम तथा नारी निकेतन में मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 8 अक्टूबर को कार्य स्थलों पर तनाव प्रबंधन सत्र, 9 अक्टूबर को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर) पर मानसिक बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों पर चर्चा की जाएगी।

झूलेलाल प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक

बीकानेर, (कासं)। संत कंवर राम सिंधी समाज ट्रस्ट, भारतीय सिन्धु सभा महानगर, मातृ शक्ति सत्संग मंडली, जय झूलेलाल सिंधी युवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में असू चंड महोत्सव के अंतिम चरण में शुक्रवार को निज मंदिर में प्रातः झूलेलाल की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक कर ध्वजा फहराई गई। प्रातः झूलन भजनों के साथ-साथ मां भगवती के जयकारे गूंजते रहे।

ईष्ट देव झूलेलाल का माल्यार्पण श्याम वाधवानी, हरीश वलीरमाणी, खेमचंद सदारंगानी, लक्ष्मण किशनानी, दादी कलावती, रूकमणी नवानी, अजय-विजय व मानसिंह मामनानी ने किया। दीप प्रज्ज्वलित कांता हेमनानी, भारती गुवालानी, वर्षा, कमला देवी, दुर्गा, लक्ष्मी ने किया। मातृ शक्ति सत्संग मंडली के सदस्यों द्वारा पल्लो डालकर अरदास की।

जय झूलेलाल युवा सिंधी मंडली के दीपचंद, मनुमल, रमेश भगत व मातृ शक्ति सत्संग मंडली की मधु सादवानी व दादी रूकमणी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। बाल कलाकार दर्शना ने सिंधी भाषा के भजन की प्रस्तुति देकर अतिथियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। भजन-कीर्तन-सत्संग उपरांत दोपहर में 151 कन्याओं का विधि विधन से पूजन किया। कंजिकाओं को उपहार प्रदान किये गये एवं भण्डारे का प्रसाद का भोग लगाया गया। शाम को मातृ शक्ति सत्संग मंडली द्वारा भजन संध्या का आयोजन द्वारा किया गया। गोधूलि बेला में बहराना साहिब की पवित्र ज्योति जलकुंड में विसर्जित की गई। ट्रस्ट के तेज प्रकाश वलीरमाणी द्वारा राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

सार-समाचार

ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन

जैन कन्या पी. जी. महाविद्यालय प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष नयनतारा छलानी ने ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन किया।

बीकानेर, (कासं)। जैन कन्या पी. जी. महाविद्यालय की लाइब्रेरी को डिजिटल लाइब्रेरी में रूपांतरित करते हुए महाविद्यालय प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष नयनतारा छलानी ने ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन कर छात्राओं को उद्बोधन देते हुए कहा कि आज के समय को देखते हुए तकनीक के साथ चलने का संदेश दिया। प्राचार्य डॉ. संध्या सक्सेना के मार्गदर्शन और कम्प्यूटर विभाग के डॉ पकंज दाधीच के निर्देशन में संकाय सदस्यों ने ई-लाइब्रेरी को अद्यतन करने में सहयोग दिया। पुस्तकालयाध्यक्ष शीतल शर्मा ने डिजिटल लाइब्रेरी के लिए प्रबंध समिति और प्राचार्य को धन्यवाद प्रेषित किया। मीडिया सह-प्रभारी विशाल सोलंकी ने बताया कि आज ही महाविद्यालय की छात्राओं के लिए महाविद्यालय की ओर से निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा का उद्घाटन भी उपाध्यक्ष इंदु देवी का सुराणा ने किया। उपाध्यक्ष ने बताया कि आज के समय मे छात्राओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा हेतु मार्गदर्शन की महती आवश्यकता है। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष विजय कुमार कोचर ने महाविद्यालय सभागार में राजस्थान कबीर यात्रा के सदस्यों का माला पहनाकर और संस्था के कोषाध्यक्ष चम्पक मल सुराणा ने अथितियों का शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। राजस्थान कबीर यात्रा के अरूण गोयल और साथियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया। उपस्थित संकाय सदस्यों और छात्राओं ने इस सूफी संगीत कार्यक्रम का जमकर लुत्फ उठाया। महाविद्यालय प्रबंध की सदस्य डॉ. बबीता जैन ने कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संध्या सक्सेना ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अरूण सक्सेना ने किया।

दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण

पीबीएम ट्रोमा सेंटर में दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण करने वाली डाक्टरों की टीम।

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम राजकीय ट्रोमा सेंटर में पहली बार दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण किया गया, जिससे 60 वर्षीय रोगी को मिली नई जिंदगी मिली है। विभागाध्यक्ष डॉ बी. एल. खजोटिया ने बताया कि घड़साना निवासी इंद्रराज पुत्र पालाराम लम्बे समय से दोनों घुटनों के दर्द से पीड़ित थे। जो थोड़ी दूर चलने फिरने में परेशान थे और दैनिक प्रक्रिया में भी परेशानी थी। इसी परेशानी के चलते उन्हें अस्थिरोग विभागाध्यक्ष डॉ बी एल खजोटिया ने अस्पताल में एडमिट कर आवश्यक जांचें एक्सरे, स्केनोग्राफी, एम आर आई, आदि करवाकर दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण एक साथ करने का निर्णय लिया । डॉ बी. एल. खजोटिया के नेतृत्व में रोगी के दोनों घुटनों का एक साथ प्रत्यारोपण मुख्यमंत्री आयुष्मान/चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत किया गया। डॉ खजोटिया ने बताया कि इस सफल प्रत्यारोपण से रोगी को पोस्ट ऑपरेटिव स्वाथ्य लाभ शीघ्र मिलता है और रोगी अपनी दिनचर्या बिना किसी परेशानी के जल्दी शुरू कर पाता है। डॉ बी. एल. खजोटिया के नेतृत्व में डॉ संजय तंवर, डॉ मनीष लांबा, डॉ जितेन्द्र मीणा, तथा निश्चेतन विभाग टीम में डॉ कांता भाटी, डॉ जिनेश एवं नर्सिंग स्टाफ इस सफल ऑपरेशन का हिस्सा बने। उल्लेखनीय है कि सामान्यतः मरीज पहले एक घुटने का ऑपरेशन करवाते हैं फिर दूसरे घुटने का 60 वर्षीय रोगी को जब डॉक्टर बी. एल. खजोटिया ने दोनों घुटने के एक साथ सलाह दी। मरीज द्वारा सलाह मानने पर पीबीएम के ट्रोमा सेंटर में पहली बार दोनों घुटनों का सफल ऑपरेशन किया गया। डॉक्टर खजोटिया ने कहा कि आजकल मरीज को तुरंत चलाया जाता है और घरवालों को भी अधिक केयर की आवश्कता नहीं रहती।

नरमे की आवक शुरू, समर्थन मूल्य से अधिक मिले दाम

श्रीकरणपुर,(कासं)। नई धानमंडी में सफेद सोना कही जाने वाली खरीफ फसल नरमे की आवक हुई। पहले दिन करीब साढ़े तीन क्विंटल नरमा 7351 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से बिका। पहली ही ढेरी न्यूनतम समर्थन मूल्य 7271 रूपए प्रति क्विंटल से अधिक बिकने पर व्यापारियों व किसानों में उत्साह नजर आया।

- **पहले दिन करीब साढ़े तीन क्विंटल नरमा 7351 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से बिका, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 7271 रूपए है**

इस बारे में कृषि उपज मंडी समिति के नियमन अधिकारी (वरिष्ठ लिपिक) सुमित कुमार ने बताया कि नई धानमंडी में गुरूवार को इस सीजन की नरमे की पहली ढेरी पहुंची। उन्होंने बताया कि फर्म बाबूराम रामस्वरूप की दुकान नंबर 40 पर करीब साढ़े तीन क्विंटल नरमे की आवक हुई और यह 7351 रूपए प्रति क्विंटल की दर से बिका और गांव नग्गी निवासी किसान साहब राम यह नरमा लेकर आये थे। मौके पर फर्म मालिक रमेश बंसल सहित अन्य व्यापारी भी मौजूद थे। नियमन अधिकारी ने बताया कि इसके बाद फर्म औंकार ट्रेडिंग कंपनी पर करीब चार क्विंटल नरमा 7201 रूपए व गुरदास राम जगदीश राय की दुकान पर करीब एक क्विंटल नरमा 7251 रूपए प्रति क्विंटल के भाव से बिका। उधर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप तनेजा ने बताया कि पिछली बार नरमे का भाव कम मिलने से इस बार उत्पादन क्षेत्र कम है लेकिन नरमे का उत्पादन बढने के साथ गुणवत्ता भी अच्छी है।

उन्होंने बताया कि इस बार प्रति बीघा 6-7 क्विंटल नरमा उत्पादन बताया जा रहा है। ऐसे में नरमे-कपास का भाव भी पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक रहने की संभावना जताई जा रही है।

उधर नरमे की सरकारी खरीद की एजेंसी सीसीआई के स्थानीय केन्द्र प्रभारी विकास सहगल ने बताया कि इस बार नरमे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7271 रूपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। इसमें 8 से 12 प्रतिशत तक की नमी स्वीकार्य है। हालांकि अधिक नमी होने पर इसके मुताबिक भाव तय किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि खरीद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो चुके हैं। केसरीसिंहपुर क्षेत्र की प्रमुख फसल सफेद सोने की आवक गुरूवार को मंडी में शुरू हो गई।

मां आशापुरा का नवरात्रि उत्सव

बीकानेर, (कासं)। उदयरामसर के भगवान कुंथुनाथ, शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय में स्थित जैन समाज के बोथरा, डागा, भंडारी सहित अनेक गोत्रों के साथ पुष्करणा के मैढ़ क्षत्रीय स्वर्णकार, चौहान राजपूत समाज सहित अनेक जाति बिरादरी की कुलदेवी आशापुरा के मंदिर में शारदीय नवरात्रा उत्सव घट स्थापना से शुरू हुआ। नवरात्रा के दौरान आशापुरा देवी की विशेष पूजा, श्रृंगार, भक्ति आदि के आयोजन होंगे।

आयोजन से जुड़े सुरेश भंडारी ने बताया कि सुशील चूरा के नेतृत्व में वेदपाठी ब्राह्मणों के दल ने शुभ अभिजीत मुहूर्त में घट स्थापना, पूजन करवाया तथा दुर्गा पाठ, चंडी पाठ किया। देवी के सुबह शाम जोत व आरती की गई। इसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के साथ ग्रामीणां ने भी हिस्सा लिया। आयोजन में बोथरा, भंडारी व डागा परिवार के साथ ग्रामीण सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। नवरात्र उत्सव 11 अक्टूबर तक चलेंगे।

बाइक सवार को बस ने टक्कर मारी, तीन घायल

बीकानेर, (कासं)। मंदिर से दर्शन कर लौट रहे बाइक सवार को बस द्वारा टक्कर मारने का मामला सामने आया है। इस संबंध में जेएनवीसी पुलिस थाने में रत्ताणी व्यासों के चौक में रहने वाले अभिषेक व्यास ने बस नम्बर आरजे-39-पीएस-1690 के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

पीड़ित ने बताया कि 2 अक्टूबर की दोपहर को उसके पिता, मां व बहन बाइक से वैष्णो धाम मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। इसी दौरान जयपुर रोड़ पर बस चालक ने लापरवाही व गलत दिशा में गाड़ी चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार तीनों घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पीड़ित ने बताया कि बस चालक ने इस दौरान एक टैक्सी को भी टक्कर मार दी। जिसके चलते टैक्सी चालक के भी चोटें आई है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **वैष्णो धाम मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे बाइक सवार**

आठ रूपए के लिए मारपीट : आठ रूपए के लिए मारपीट कर चैन छीन ले जाने का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में जेएनवीसी थाने में हेमेरा निवासी शिवकरण सारस्वत ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। घटना शिवबाडी सर्किल के पास 3 अक्टूबर की दोपहर की है। इस संबंध में परिवादी ने बताया कि वह जनरल आईटम की दुकान चलाता है। इसी के चलते दोपहर को अज्ञात व्यक्ति आये और कोल्ड्र ड्रिंक व ग्लास मांगे। जब परिवादी ने सामान के 108 रूपए मांगे तो आरोपित ने 100 रूपए दे दिए बाकी के पैसों का बोलने पर गाली गलौच करने लगे।

भांडाशाह जैन मंदिर में 17 भेदी व स्नात्र पूजा

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आचार्य, बीकानेर के मुनि सम्यक रतन सागर व साध्वीवृंद की निश्रा में शुक्रवार को पांच शताब्दी से अधिक प्राचीन भांडाशाह जैन मंदिर में भक्ति संगीत के साथ 17 भेदी व स्नात्र पूजा की गई। मूलनायक मंदिर जैन धर्म के पांचवें तीर्थंकर भगवान सुमतिनाथ के 108 फीट ऊंचे मंदिर के शिखर पर व श्रीमंधर स्वामी आदि जिनालयों के शिखर पर नई ध्वजाएं चढ़ाई गई।

चिंतामणि जैन मंदिर प्रन्यास के अध्यक्ष निर्मल धारीवाल ने बताया कि चतुर्विद संघ की साक्षी में गुरूवार को भगवान का अभिषेक भक्ति संगीत के साथ किया गया। शुक्रवार को मुनिवृंद, साध्वीवृंद के साथ सुनील पारख, अरिहंत नाहटा, पप्पूजी बांठिया व विचक्षण महिला मंडल ने मंत्रोच्चारण व भक्ति गीतों के साथ पूजा करवाई तथा ध्वजाओं के शुद्धिकरण करवाकर स्थापित करवाया। स्नात्र पूजा हिमांशु सेठिया व शांति कलश पूजा लाभ अभय डागा ने लिया।

मूलनायक भगवान सुमति नाथ के जिनालय में ध्वजा चढ़ाने का लाभ पूरखचंद, धनराज व दीपचंद डागा परिवार ने, श्रीमंधर स्वामी के जिनालय में मोतीचंद, नरेन्द्र कुमार व राजीव खजांची परिवार ने, मंदिर परिसर के अन्य जिनालयों में शशि देवी, अंजू लूणिया सी.ए. राजेन्द्र लूणिया, मनोहर लाल पुष्पा कोचर, विजयचंद पुखराज डागा परिवार ने ध्वजा चढाने का लाभ लिया।

मां ब्राह्मणी का मेला शुरू

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के पल्लू कस्बे में मां ब्राह्मणी के ऐतिहासिक मंदिर पर प्रथम शारदीय नवरात्र को घट स्थापना के साथ ही पंद्रह दिवसीय मेले का आरंभ हो गया। प्रथम नवरात्र को सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई।

सभी श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर शांतिपूर्वक मां ब्राह्मणी के दर्शन कर मन्नतें मांगी। मेले के प्रथम दिवस पर मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए। मंदिर परिसर में असामाजिक तत्वों पर निगरानी के लिए 20 सीसीटीवी कैमरे लगाये गए। सुबह सात बजकर तीस मिनट पर मंदिर पुजारी भगवान सिंह भाटी व शास्त्री नौरंगलाल द्वारा मंत्रोच्चार के साथ हवन कर घट स्थापना की गई। मेले के प्रथम दिन बाजार में ट्रेफिक व्यवस्था चरमराई रही।

एम.जी.एस.यू. में नहीं होगा प्लास्टिक का उपयोग

बीकानेर, (कासं)। एमजीएसयू द्वारा कुलपति से शिष्टाचार भेंट एवं कार्यक्रमों समारोहों में कुलगुरू को पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह के स्थान पर पाठ्यक्रम संबंधी या शिक्षकों द्वारा स्वलिखित पुस्तकें भेंट की जा सकेंगी जिनका उपयोग विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में जरूरतमंद विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए किया जायेगा।

कुलपति सचिवालय से जारी दिशा-निर्देशिका में कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित की महत्वपूर्ण पहल से विद्यार्थियों में अध्ययन रूचि एवं अधिक से अधिक पाठ्यक्रम संबंधी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। इस हेतु विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में बुक बैंक बनाकर कुलगुरू को सम्मान स्वरूप प्राप्त होने वाली पुस्तकें ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु निःशुल्क उपलब्ध करवाई जायेगी।

- **जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध करवाई जायेगी**

इसके साथ साथ कुलगुरू ने निर्देशिका में विश्वविद्यालय में होने वाले समस्त सरकारी आयोजनों, समारोहों, कार्यक्रमों में प्लास्टिक पर पूर्णतः रोक लगा दी है। कार्यक्रमों में आयोजकों से पानी की प्लास्टिक बोलत का उपयोग नहीं करने के दिशा निर्देश प्रदान कर उसके स्थान पर तांबे के थर्मस, बर्तन, लोटे , जग आदि के उपयोग हेतु निर्देशित किया गया है।

कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि मोबाइल क्रांति के युग में विद्यार्थियों द्वारा पुस्तकें पढ़ना कम होता जा रहा है जो चिंता का विषय है। समर्थ विद्यार्थियों को पुस्तकों का महत्व समझाने व ज़रूरतमंद विद्यार्थियों के अध्ययन में सहयोग हेतु विश्वविद्यालय द्वारा यह कदम उठाया गया है। निःशुल्क पुस्तक भेंट के रूप में कमज़ोर आर्थिक स्थिति वाले व ज़रूरतमन्द विद्यार्थियों की मदद और सामाजिक सरोकार की दिशा में यह अपने आपमें एक अनूठी पहल है। दीक्षित के इस निर्णय से विद्यार्थियों ने खुशी जताई।

लम्पी बीमारी में पशु चिकित्सकों के योगदान को याद किया

बीकानेर, (कासं)। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर एवं भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पशु दिवस मनाया गया। प्रत्येक वर्ष यह दिवस 4 अक्टूबर को विश्व भर में पशुओं के प्रति जागरूकता फैलाने व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु मनाया जाता है।

पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में विश्व पशु दिवस कार्यक्रम को प्रो. हेमन्त दाधिच ने संबोधित किया।

राजुवास में मनाये गये विश्व पशु दिवस के आयोजन सचिव प्रो. प्रवीण बिश्नोई, निदेशक क्लीनिक्स ने बताया कि कार्यक्रम में वेटरनरी कॉलेज के शिक्षकों, छात्रों, पशुपालन के अधिकारियों, जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के सदस्यों के साथ -साथ गौशालाओं के प्रबंधकों व अन्य जीव जन्तु प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. हेमन्त दाधीच अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज थे। विशिष्ट अतिथि अतिथि डॉ. कुलदीप चौधरी, संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, बीकानेर व श्रेयांश बैद, मानद प्रतिनिधि जीव जन्तु कल्याण बोर्ड और निदेशक प्रसार शिक्षा प्रो. राजेश कुमार धूड़िया थे। मुख्य वक्ता श्रेयांस बैद, मानद प्रतिनिधि भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, शेल्टर होम, एनिमल बर्थ कंट्रोल, स्ट्रे एनिमल, ऑक्सिटोक्सिन बैन, प्रदेश में ऊंटों का पलायन, बैलों के खेतों में उपयोग, पालतू जानवरों के टीकाकरण, पंजीकरण एंव जागरूकता अभियान व 1962 एनिमल एम्बुलेंस के बारे में जानकारी दी। श्रेयांश ने जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के कार्यों व महत्व पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता प्रो. हेमन्त दाधीच ने पशुओं के प्रति संवेदना जगाने हेतु प्रेरित किया तथा बताया कि पशु चिकित्सक होने के नाते हम सबकी जिम्मेदारी इस ओर अधिक है। उन्होंने लम्पी बीमारी में पशु चिकित्सकों के योगदान को याद किया। डॉ. कुलदीप चौधरी ने मानव पशु रखरखाव के बारे में बताते हुए कहा कि इसका सीधा कारण मानव द्वारा पशुओं के प्राकृतिक आवास क्षेत्र में अतिक्रमण करना है।

- **जागरूकता अभियान व 1962 एनिमल एम्बुलेंस के बारे में जानकारी दी**

उद्यमी मिलन समारोह

बीकानेर,(कासं)। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वावलम्बी भारत अभियान के तहत उद्यमी मिलन समारोह शुक्रवार को वृंदावन होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संयोजक डॉ. धनपत राम अग्रवाल थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने में लघु उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए औद्योगिक क्षेत्र में अधिक से अधिक शोध किए जाने जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उद्यमी अपने उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाएं और इनका प्रचार-प्रसार भी करें। उन्होंने कहा कि दुनिया के विकसित देश अपनी आय का पांच से दस प्रतिशत हिस्सा शोध पर व्यय करते हैं।

इससे उनके उत्पादों की गुणवत्ता में और अधिक सुधार होता है। भारत में अब तक इसकी शुरूआत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग की इकाईयां क्लस्टर बनाएं।

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक :- निर्माण/2024-25/13763 - 65 दिनांक :- 01/10/2024
अल्पकालीन ई - निविदा-सूचना सं0 62/2024-25
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट **www.bikanermc.org** Web site **www.sppp.raj.nic.in** से व **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा की कुल लागत :– 149.00 लाख
UBN Number :- DLB2425WSOB09787
आयुक्त,
नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद/सी/24/6074

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2024/3931 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 1.10.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रजो देवी पत्नी श्री सोहन लाल निवासी नरसिंहपुर, तहसील व जिला श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 10 किला नं. 13 में माप 22.6 इंटू 67.6 फीट भू.सं. ए-37 पार्ट-ए रामदेव कॉलोनी, श्रीगंगानगर	नियमन पट्टा सं. 5944 दिनांक 10.7.2017 को श्रीमती जमना देवी पत्नी श्री रूपचंद के नाम से जारी किया हुआ है। वर्तमान में उक्त भूखंड इन्हीं के नाम से दर्ज है।	श्रीमती रजो देवी द्वारा उक्त भूखंड को दिनांक 10.5.2018 को जरिये पंजीकृत बैयनामा क्रय कर उक्त भूखंड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्रीमती रजो देवी पत्नी श्री सोहन लाल निवासी नरसिंहपुर, तहसील व जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/806
सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2024/3918 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 26.9.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हरभजन सिंह घई पुत्र श्री जसवंत सिंह घई एवं श्रीमती कमलजीत कौर पत्नी श्री हरमोहन सिंह निवासी सी-78, प्रेमनगर, सेतिया फार्म, मैन रोड़, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 49 किला नं. 24 में माप 30 इंटू 50 फीट भू.सं. डी-27 नागपाल कॉलोनी, श्रीगंगानगर	नियमन पट्टा सं. 6152 दिनांक 5.6.2008 को श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र ईशर सिंह के नाम से जारी किया हुआ है। वर्तमान में उक्त भूखंड इन्हीं के नाम से दर्ज है।	श्री हरभजन सिंह घई एवं श्रीमती कमलजीत कौर द्वारा उक्त भूखंड को दिनांक 1.8.2024 को जरिये पंजीकृत बैयनामा क्रय कर उक्त भूखंड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्री हरभजन सिंह घई पुत्र श्री जसवंत सिंह घई एवं श्रीमती कमलजीत कौर पत्नी श्री हरमोहन सिंह निवासी सी-78, प्रेमनगर, सेतिया फार्म, मैन रोड़, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/715
सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

चाकूबाजी की घटना के बाद पुलिस ने फ्लैग मार्च किया, आरएसी व एमबीसी की दो कंपनियां बुलाई

राजसमंद के राजनगर थाना क्षेत्र में बीती रात हुई चाकूबाजी, पथराव और आगजनी की घटना के बाद फिलहाल इलाके में शांति बनी हुई है

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय पर राजनगर थाना क्षेत्र में बीती रात हुई चाकूबाजी, पथराव और आगजनी की घटना के बाद शुक्रवार सुबह से फिलहाल इलाके में शांति बनी हुई है। वहीं क्षेत्र में कानून व्यवस्था के मध्यनजर शुक्रवार को एसपी मनीष त्रिपाटी के निर्देश पर एएसपी महेन्द्र पारीक के निर्देशन में पुलिस जवानों ने फ्लैग मार्च किया, जिसमें डीएसपी विवेकसिंह राव, दिनेश सुखवाल, राहुल जोशी, परसाराम चौधरी, ज्ञानेन्द्रसिंह राठौड़, राजनगर सीआई योगेश चौहान, कांकरोली हनवंतसिंह सोढा, दलपतसिंह राठौड़, सोनाली शर्मा, ओमसिंह राठौड़, कमलेन्द्रसिंह, सुरेन्द्रसिंह शक्तावत, भवानीशंकर, प्रभुसिंह चुण्डावत सहित दस थाना अधिकारी, घुड़सवार, आरएसी, एमबीसी के जवानों सहित पुलिस लाईन का जाब्ता व वज्र वाहन शामिल था।

राजसमंद के राजनगर थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की घटना के बाद पुलिस ने फ्लैग मार्च किया।

उधर, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरएसी व एमबीसी की दो कंपनियों को भी मौके पर बुलाया गया है। क्षेत्र के चयनित 20 से अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस के जवान तैनात कर दिया है, जो हर समय राउण्ड दी क्लॉक तैनात रहेंगे। अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक ने कहा कि फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई और स्थिति पूरी तरह से पुलिस के कंट्रोल में है। आमजन में विश्वास के लिए पुलिस और आरएसी के जवानों ने क्षेत्र के अंदरूनी इलाकों में फ्लैग मार्च किया। एसपी मनीष त्रिपाटी व एएसपी महेन्द्र पारीक ने आम जनता से अपील की है कि वो सोशल मीडिया पर भ्रामक और झूठी खबरें नही फैलाएं। नहीं तो ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पारीक ने बताया कि चाकू से हमला किस व्यक्ति ने और किस कारण से किया है। इस प्रकरण में जांच जारी है, जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करेंगे। इस बात का खुलासा हमलावरों को पकड़ने के बाद ही किया जा सकेगा।

■ **क्षेत्र के चयनित 20 से अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस के जवान के साथ आरएसी के जवान तैनात किये**

राजनगर थाने में दर्ज हुए दो मामले : पुलिस ने बीती रात हुए घटनाक्रम के बाद दो प्रकरण दर्ज किए हैं। चाकूबाजी हमले में घायल किशोर दक्ष प्रजापत पुत्र राकेश प्रजापत ने अज्ञात युवकों द्वारा चाकू से हमला कर घायल कर देने की रिपोर्ट दी। हालांकि मामले की जांच के लिए पुलिस शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने के साथ ही मारपीट का कारण ढूंढ रही है। वहीं दूसरी ओर नगर परिषद पार्षद नायकवाडी निवासी लुबना सिलावट पति अब्दुल मजीद ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पथराव करने, ऑटो को जलाने तथा एक अन्य ऑटो के कांच फोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की रिपोर्ट दी जिस पर प्रकरण दर्ज कर जांच जारी है। एएसपी महेंद्र पारीक बराबर व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने टीमों का गठन किया है जो शुक्रवार रात हुई घटना को लेकर गहन अनुसंधान करने के साथ ही चाकूबाजी के हमलावरों की तलाश कर रही है।

शहर में राजनगर से लेकर कांकरोली तक निकाला फ्लैग मार्च : राजनगर थाना क्षेत्र के नायकवाडी में शुक्रवार रात युवक से हुई मारपीट के बाद दो समुदायों के बीच तनातनी हो गई। उसके बाद शुक्रवार सुबह से शहर में शांति व्यवस्था कायम है। बाजार भी सामान्य तौर पर खुल चुके हैं। सुबह जिले के चार डीएसपी और समस्त थानाधिकारियों के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस जाप्ते ने राजनगर फव्वारा चौक से सदर बाजार राजनगर, नायकवाडी, माणक चौक, किशोर नगर, जलचक्की, कांकरोली बस स्टेण्ड, मुखर्जी चौराहा, भीलवाड़ा रोड होते हुए कांकरोली थाना क्षेत्र के बाघपुरा तक फ्लैग मार्च कर शांति व्यवस्था की अपील की।

डॉ. मोहन भागवत ने प्यारेराम प्राचीन मंदिर में देव दर्शन किए

बारां। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत अपने चार दिवसीय बारां प्रवास के दौरान शुक्रवार प्रात: बारां शहर के मांगरोल रोड स्थित प्राचीन प्यारेरामजी मंदिर में देवदर्शन के लिए पहुंचे, वहां उन्होंने दर्शन उपरांत मंदिर के इतिहास के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस मंदिर का इतिहास तीन शताब्दी पुराना है। यहॉं महंत प्यारेराम ने अनंत भगवान की प्रतिमा स्थापित कर तीन परकोटे वाले विशाल मंदिर का निर्माण करवाया था।

देव दर्शन के पश्चात् सरसंघचालक ने परिसर में नित्य लगने वाली शिव मंदिर तरुण व्यवसायी शाखा में स्वयंसेवकों के साथ एक घंटे के निश्चित कार्यक्रमों में भाग लिया। शाखा के सभी स्वयंसेवकों ने व्यायाम, योग, प्रहार, सूर्य नमस्कार, सांघिक सुभाषित, अमृत वचन तथा गीत गायन आदि गतिविधियों में हिस्सा लिया।

जिज्ञासा समाधान में शाखा के स्वयंसेवकों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए सरसंघचालक ने कहा कि भारत पहले से ही एक हिन्दू राष्ट्र है, उसको और उन्नत, सामर्थ्यवान तथा बलशाली बनाना है। शाखा से समाज को जोड़ने के सूत्र बताते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि अपरिचित से परिचय बढ़ाना, परिचित को मित्र बनाना, मित्र को स्वयंसेवक बनाना चाहिए। नित्य शाखा से ही समाज के लिए योग्य स्वयंसेवक निर्मित होंगे।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शाखा के स्वयंसेवकों के साथ आंवला, बिल्वपत्र तथा पीपल आदि के 51 पौधों का रोपण किया।

■ **नित्य शाखा से ही समाज के लिए योग्य व्यक्ति निर्मित होंगे : डॉ. मोहन भागवत**

शाखा के पश्चात मंदिर परिसर के बाहर स्वयंसेवकों के साथ मिलकर उन्होंने पौधारोपण किया। इस अवसर पर आंवला, बिल्वपत्र तथा पीपल आदि प्रजातियों के 51 पौधे लगाए गए। शाखा के स्वयंसेवकों ने पौधों की सार संभाल का संकल्प भी लिया। इसके पश्चात् शाखा टोली के साथ बैठक हुई। उन्होंने टोली बैठक में शाखा के विषय में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। शाखा में होने वाले एक घण्टे के नियमित कार्यक्रमों के विषय पर विस्तृत चर्चा भी की।

कोटा में बिल्डर के यहां जीएसटी सर्वे की कार्रवाई

कोटा, (निसं)। गुड्स एंड सर्विस टैक्स की टीम ने शुक्रवार को कोटा में एक बड़े बिल्डर और कॉलोनाइजर के यहां पर सर्वे की कार्रवाई शुरू की है। दोपहर में शुरू हुई इस कार्रवाई के चलते बिल्डर और उसके कार्मिक भी सकते में आ गए। जीएसटी के अधिकारी-कार्मिक मौके पर पहुंचे और उन्होंने कई जगह पर एक साथ कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार कोटा शहर में इस बिल्डर ने कई मल्टीस्टोरी और कॉलोनियां काटी है। यह कॉलोनियां आरकेपुरम, श्रीनाथपुरम, थेकड़ा व रायपुरा एरिया में स्थित है। यह कार्रवाई वाणिज्य कर विभाग के आयुक्त प्रकाश राजपुरोहित के निर्देश पर शुरू हुई है। दोपहर से यह सर्वे शुरू किया था। इसमें फिजिकल और कंप्यूटराइज रिकॉर्ड को जांचा जा रहा है। टैक्स चोरी का आंकड़ा कार्रवाई पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। वाणिज्य कर विभाग राजस्थान की इस कार्रवाई की सूचना मिलने पर अन्य बिल्डरों में भी हड़कंप मच गया। इसमें डेढ़ दर्जन से ज्यादा अधिकारी व्यापारी के संस्थान पर पहुंचे। इनमें डिप्टी कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर और

■ **टैक्स चोरी का आंकड़ा कार्रवाई पूरी होने के बाद ही सामने आएगा**

■ **कार्रवाई के चलते बिल्डर व कार्मिक भी सकते में**

कमर्शियल टैक्स ऑफिसर (सीटीओ) शामिल है। जीएसटी कार्रवाई के पहले टीम ने फील्ड से तथ्य एकत्रित किए। इसके बाद ही रिकॉर्ड को तलब किया जा रहा है। कंप्यूटराईज रिकॉर्ड को भी सीज किया जाएगा। इस रिकॉर्ड की टैक्स का पूरा कैलकुलेशन किया जा सकेगा।

कोटा की वाणिज्य कर विभाग की अतिरिक्त आयुक्त सुनीता डागा का कहना है कि जीएसटी चोरी के शक में ही यह कार्रवाई की गई है। इस तरह के सर्वे कार्रवाई टीम करती रहती है। इसमें कंप्यूटराइज्ड और ऑफलाइन डाटा कलेक्ट किया जा रहा है। जिनके आधार पर ही पता लगाया जा सकेगा कि जीएसटी चोरी है या नहीं।

आईएएस राजेंद्र विजय के निवास पर एसीबी पहुंची

दौसा, (निसं)। जयपुर एसीबी की टीम शुक्रवार को एक बार फिर आईएएस अधिकारी राजेंद्र विजय के दुब्बी स्थित पैतृक निवास शांति निकेतन पहुंची। सर्च के दौरान एसीबी को केवल 15 हजार रुपये की नकदी, दो चांदी के सिक्के और दो चांदी की अंगूठी मिली। लगभग 4 घंटे तक चली इस जांच में चंद रुपये ही मिले जो एसीबी की टीम के लिए निराशाजनक साबित हुआ।

■ **सर्च में एसीबी टीम को 15 हजार की नकदी, दो चांदी के सिक्के और दो चांदी की अंगूठी मिली**

इस दौरान आईएएस राजेंद्र विजय के पिता रामकरण विजय भी घर में मौजूद रहे और एसीबी की टीम ने उनके सामने ही घर का सर्च अभियान चलाया। एसीबी अधिकारियों ने इस दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज मिलने से इंकार किया। उल्लेखनीय है कि मूल रूप से दौसा जिले के दुब्बी के निवासी राजेंद्र विजय पिछले 5 महीने से आय से अधिक संपत्ति के मामले में एसीबी के रडार पर थे। बुधवार को भी एसीबी की टीम उनके दुब्बी स्थित निवास पर पहुंची थी लेकिन उस समय घर में कोई नहीं होने के कारण मकान को सील कर दिया गया था।

इसके साथ ही एसीबी ने जयपुर सहित उनके पांच ठिकानों पर भी रेड डाली थी। कोटा में संभागीय आयुक्त कार्यालय पर भी जांच की गई थी। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद सरकार ने राजेंद्र विजय को कोटा संभागीय आयुक्त पद से एपीओ कर दिया था जिससे उनकी स्थिति और अधिक संदिग्ध बन गई है।

आपसी विवाद के चलते एक जने की हत्या

बीकानेर, (निसं)। शहर के बीछवाल थाना इलाके में आपसी विवाद के चलते एक जने की हत्या का मामला सामने आया है। जानकारी मिली है कि कानासर छोटी ढाणी के करणी माता मंदिर के पास दो पक्षों में जमीन विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। इस मामले में बजरंग कुम्हार को गंभीर चोटें आई। जिसे पीबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं सीताराम सहित दो अन्य लोगों के चोटें आई हैं। फिलहाल पुलिस मौके पर मामले की जांच कर रही है और शव को पीबीएम की मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी मिली है कि खेत में मालिकाना हक को लेकर यह झगड़ा हुआ था, जिसमें दूसरे पक्ष के सोहनलाल कुम्हार, शिवकुमार, शांतिलाल खुडिया, भागीरथ कुम्हार ने बजरंग कुम्हार व दो अन्य जनों पर धारदार हथियार से हमला बोल दिया। इस हमले में बजरंग के गंभीर चोटें आई और वह लहुलूहान हालत में जमीन पर गिर गया। जिसे उसके साथ वाले पीबीएम अस्पताल ले गये, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

व्यापारी के सिर पर लोहे का पाइप मार 31 लाख रू. लूटे

बाइक सवार बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया, मिलीभगत की आशंका जताई

जोधपुर, (कासं)। शहर के नौ मील मंडोर एरिया में बुधवार की रात में एक व्यापारी के सिर पर लोहे के पाइप से हमला कर बदमाश 31 लाख रूपए लूट कर ले गया। वह किसी सिलसिले में इतनी बड़ी रकम लेकर नौ मील पहुंचा था। इसमें मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। रात का समय होने पर व्यापारी बाइक सवार लुटेरे का नंबर नहीं देख पाया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से बदमाश की सरगर्मी से तलाश कर रही है। पुलिस ने जल्द ही मामले में खुलासे की उम्मीद जताई है। पीड़ित की तरफ से मंडोर थाने में लूट का प्रकरण दर्ज करवाया गया है।

मंडोर पुलिस ने बताया कि नागौरी गेट स्थित दामोदर कॉलोनी, राम मोहल्ला निवासी मनीष डागा पुत्र मुरलीधर डागा की तरफ से केस दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि दो अक्टूबर की रात को उसके किसी परिचित बुधाराम देवासी जोकि ट्रक चालक है उसका फोन आया था। तब वह अपने घर से स्कूटी पर 31 लाख रूपए पायदान के पास में रख कर निकला था। रात में वह मंडोर नौ मील स्थित जेसीबी फैक्ट्री के नजदीक पहुंचा था। वह स्कूटी खड़ी कर रूपयों से भरे थैले को स्कूटी की डिग्गी में रख रहा था। इस बीच एक बाइक सवार युवक आया और उसके सिर पर लोहे के पाइप से हमला किया और गाड़ी से रूपयों का थैला लूटने का प्रयास किया। तब व्यापारी मनीष डागा ने बचाव किया, इस पर बदमाश ने फिर से लोहे का पाइप उसके सिर पर मारा और गाड़ी से 31 लाख रूपए से भरा थैला निकाल कर ले गया। उसके चिल्लाने की आवाज पर बाद में ट्रक चालक बुधाराम देवासी और अन्य परिचित आए। उसके सिर पर काफी खून निकलने पर उसे नयापुरा सेटेलाइट अस्पताल ले जाया गया।

■ **पुलिस सीसीटीवी फुटेज से बाइक सवार बदमाश की तलाश कर रही है**

रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित मनीष डागा बाइक सवार को जानता है मगर वह रात के कारण उसकी बाइक के नंबर नहीं देख पाया। पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है। इसके किसी की मिलीभगत की भी आशंका जताई जाती है। फिलहाल आरोपी के पकड़े जाने पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

देचू थाने में युवक का शव फंदे पर लटका मिला

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के देचू थाने में गुरुवार रात एक युवक ने फंदा लगा लिया। पुलिसकर्मियों को सुबह थाने के एक कमरे में फंदे पर लटका मिला। पुलिस युवक को रेप के मामले में पूछताछ के लिए थाने लेकर आई थी। मामले की जानकारी पर पुलिस के आला अधिकारी और ग्रामीण पहुंचे।

■ **युवक को मूक बधिर बालिका से रेप मामले में पूछताछ के लिए लाई थी पुलिस, युवक को हवालात में रखने के बजाय एक कमरे में बैठाया गया था**

जानकारी अनुसार मूक बधिर बालिका से रेप के मामले में पुलिस युवक को थाने लेकर आई थी। उसे हवालात में रखने के बजाय एक कमरे में पूछताछ के लिए बिठाया गया था। इस दौरान देर रात अपने गमझे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रात के समय कॉन्स्टेबल भागीरथराम की ड्यूटी थी।

मृतक युवक के भाई ने बताया कि उसके भाई को तीन दिन पहले पुलिस पकड़कर लेकर गई थी। गुरुवार रात 8:30 बजे वह उसे खाना देकर आया था। तब वह ठीक लग रहा था। उसने कहा कि उस पर मामला दर्ज है लेकिन जांच में सब सामने आ जाएगा। भाई ने आरोप लगाया कि पुलिस थाने में रात आठ बजे बाद शराब पार्टी शुरू हो जाती है। जब वह थाने से निकलने लगा तो शराब कि बोतलें रखी हुई थी। रात को शराब पीकर पुलिकर्मियों ने उसके भाई के साथ मारपीट की। युवक को हवालात के बजाय कमरे में रखने को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि पुलिस तीन दिन पहले घर से लेकर गई थी।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में विभिन्न सामग्री हेतु निविदा/वार्षिक दर संविदा जारी की गयी है, जिनके यूबीएन GSU2425GSRC00032 (इलैक्ट्रॉनिक आइटम आपूर्ति मय स्थापना), GSU2425GSRC00033 (फर्नीचर सामग्री आपूर्ति मय स्थापना) एवं GSU2425GSOB00034 (गोल्ड मेडल आपूर्ति) है। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/6088 कुलसचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक- अअ/सांचौर/2024-25/1116 दिनांक-28.09.2021

निविदा सूचना संख्या : 08 वर्ष 2024-2025

NIB NO.- PWD2425A1915

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मानसून वर्ष 2024 में अत्यधिक वर्षा/बाढ से क्षतिग्रस्त सड़कों की तात्कालिक अस्थाई मरम्मत एवं पुनरूत्थान कार्य (Rate Contract) हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में निर्माण कार्य जिनकी लागत राशि रू. 173.34 लाख है के लिए इंटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	29 सितम्बर 2024, 9.30 बजे से 08 अक्टूबर 2024 सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

1. PWD2425WSOB07083, 2. PWD2425WSOB07084
3. PWD2425WSOB07085, 4. PWD2425WSOB07086
5. PWD2425WSOB07087

(ओम प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/9418/2024

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता(ज.न.वृत–उ.)

पुराना पावर हाउस परिसर, राम मन्दिर के पास, बनीपार्क, जयपुर–302006

फोन नं0–: 0141-2202762 Mail Id:sejcc@jvvnl.org

'ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नाईफ स्वीचेज 400 एम्पीयर, यू कॉन्टेक्ट 400 एम्पीयर (निविदा संख्या–03 /2024-25] UBN-VVN2425GLOB00631) की खरीद हेतु 'ई–प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल उक्त वेब साईट्स पर उपलब्ध कराई जाएगी।

जेपीआर–2893 (2024) अधीक्षण अभियन्ता (ज.न.वृत–उ.)

राज.संवाद/सी/24/6132 बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PHED PROJ. DIVISION KARAULI
HQ TODABHIM (email: eecsnpkaroli@gmail.com)

NOTICE INVITING BID

Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder up to 27.09.2024 other particuler of the bid may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state.

NIB CODE- PHE2425A2268

S.NO.	NIT NO.	UBN
1	54/2024-25	UBN- PHE2425WSOB04944

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim

DIPR/C/9380/2024

WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER,
NARMADA CANAL PROJECT, CIRCLE I SANCHORE

Sr. No. 1214 Date: 27.09.2024

NOTICE INVITING BID 01/2024-25

E-tenders are hereby invited on behalf of the Governor of State of Rajasthan for the work of "Repair and strengthening work at banks of various minors of Gudamalani lift minor system (Alpura minor, Sanawada minor and Gudakhas A sub minor" enlisted contractors of the appropriate class of the Water Resources Department or Contractors enlisted with CPWD, Postal, Telecom, Railway equivalent suitable Class of Rajasthan are also eligible after giving prescribed Earnest Money. Date of online downloading of tender document is 30.09.2024 at 9.30 am 09.10.2024 up to 3.00 pm and Date of online uploading of tender documents is 30.09.2024 at 11.30 am to 09.10.2024 up to 6.00 pm. Bid will be open on dated 10.10.2024 at 3.00 pm. The detail of estimated Cost of work, earnest money and processing fess is awailble on website www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in and www.diproline.org.

NIB No. WRD2425A0205
UBIN No. WRD2425WSOB00738

(Shriphal Meena)
Superintending Engineer
Narmada Canal Project
Cicle I Sanchore
Mob. 9460142350

DIPR/C/9406/2024

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज.)

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा

Email :- nnksouth@gmail.com, Website :- https://urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph. : 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2024/352-366 दिनांक :- 01/10/2024

ई-निविदा सूचना संख्या : 16/2024-25

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कुल 06 कार्यो हेतु कुल राशि 614.63 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 07.10.2024 से दिनांक 28.10.2024 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र के मकानो के सामने बनी हुई नालीयों पर चैम्बर निकालने, नाली निर्माण/मरम्मत कार्य के लिये रोड क्रॉस पर फैरो सीमेन्ट कवर लगाने का कार्य एवं आर.सी.सी. दिवार निर्माण कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	49.26
2	131वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा वर्ष 2024 के अवसर पर ईस्ट व नोर्थ जोन में पानी की सप्लाई हेतु ओवर हेड टैंक का निर्माण कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	67.16
3	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र के मकानो के सामने बनी हुई नालीयों पर चैम्बर निकालने, नाली निर्माण/मरम्मत कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	99.93
4	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र के मकानो के सामने बनी हुई नालीयों पर चैम्बर निकालने, नाली क्रॉस निर्माण/मरम्मत कार्य हेतु क्रॉस पर लोहे के जाल बनाने का कार्य।	148.89
5	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र के मकानो के सामने बनी हुई नालीयों पर चैम्बर निकालने एवं रोड साइड इन्टरलॉकिंग लगाने का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	149.56
6	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र में मकानो के सामने बनी हुई नालीयों पर चैम्बर निकालने, नाली निर्माण/मरम्मत कार्य के लिये रोड साइड कच्ची भूमि पर सीमेन्ट कॉन्क्रिट का कार्य।	99.83

NIB Code No. DLB2425A3053, UBN No. DLB2425WSOB09647, DLB2425WSOB09648, DLB2425WSOB09649, DLB2425WSOB09650, DLB2425WSOB09651, DLB2425WSOB09652

राज.संवाद/सी/24/6067 अधीक्षण अभियन्ता नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर पालिका धरियावद, जिला-प्रतापगढ़ (राज)

क्रमांक :– न.पा.धरि/निर्माण/2024–25/5041 दिनांक: 20.09.2024

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या : /2024–25

नगरपालिका धरियावद द्वारा निम्न कार्य हेतु नगरपालिका धरियावद में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एंव अन्य विभागो में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया से वेब साईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा राज्य सरकार की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB NO. - DLB2425A3039

निविदा में कुल कार्य	18 कार्य
निविदा की कुल लागत	180.96 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	01.10.2024 से 14.10.2024 तक (सांय 06.00 बजे तक)
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	01.10.2024 से 14.10.2024 तक (सांय 06.00 बजे तक)
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर चैक कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	15.10.2024 प्रातः 12:00 बजे तक
तकनिकी बिड खोलने की तिथी	15.10.2024 दोप. 02:00 बजे
वित्तिय बिड खोलने की तिथी	तकनिकी बिड परीक्षण पश्चात्।
Work 01 UBN No.	DLB2425WSOB09606
Work 02 UBN No.	DLB2425WSOB09607
Work 03 UBN No.	DLB2425WSOB09609
Work 04 UBN No.	DLB2425WSOB09610
Work 05 UBN No.	DLB2425WSOB09611
Work 06 UBN No.	DLB2425WSOB09612
Work 07 UBN No.	DLB2425WSOB09613
Work 08 UBN No.	DLB2425WSOB09614
Work 09 UBN No.	DLB2425WSOB09615
Work 10 UBN No.	DLB2425WSOB09616
Work 11 UBN No.	DLB2425WSOB09618
Work 12 UBN No.	DLB2425WSOB09619
Work 13 UBN No.	DLB2425WSOB09620
Work 14 UBN No.	DLB2425WSOB09621
Work 15 UBN No.	DLB2425WSOB09622
Work 16 UBN No.	DLB2425WSOB09626
Work 17 UBN No.	DLB2425WSOB09627
Work 18 UBN No.	DLB2425WSOB09628

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/24/6064

डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर

(A State Funded University of Rajasthan)

"रूसा भवन", शिक्षा संकुल, जे.एल.एन., मार्ग, जयपुर–302015

E-mail- registrar@alujaipur.ac.in

क्रमांकः– F. 2 (111)/GAD/ALU/2023-24/994 दिनांक 01-10-2024

ई–बोली आमंत्रण सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता संस्था/एजेन्सी से जॉब बेसिक पर मैनपावर सेवाएं उपलब्ध करवाने हेतु ई–प्रोक्यूरमेंट माध्यम से ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित विवरण/शर्ते वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र को इन्ही वेबसाईट से नियत तिथि से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट एवं http://alujaipur.ac.in पर देखी जा सकती है:–

विवरण	अनुमानित मूल्य	बोली प्रतिभूति (अनुमानित लागत का 2%)	बोली प्रपत्र शुल्क	ई–टेण्डरिंग प्रोसेसिंग फीस	प्रस्तावित ऑनलाईन बोली: निविदा डाउनलोड प्रारंभ करने की दिनांक व समय	निविदा अपलोड करने की अंतिम दिनांक व समय	तकनीकी ऑन लाईन बोली खोलने की दिनांक व समय
मैनपावर सेवाऐं	99.30 लाख रूपये	198600/– (नियमानुसार छूट प्राप्त संस्थाओं को बोली प्रतिभूति राशि में छूट देय होगी)	रू. 1000/–	रू. 500/–	04/10/2024	15/10/2024 दोपहर 2.00 बजे तक	16/10/2024 सांय 3.00 बजे

UBIN NO: ALU2425SLOB00003

राज.संवाद/सी/24/6129 कुलसचिव

महिला हस्तकारों को मौक़ा, मंच और मार्केट देने के लिए सरकार प्रयासरत : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी की उपस्थिति में जवाहर कला केंद्र के दक्षिण परिसर में शुक्रवार शाम को राज्य स्तरीय अमृता हाट का फीता काटकर और दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया। यह राज्य स्तरीय अमृता हाट 4 से 13 अक्टूबर तक प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया गया है।

दिया कुमारी ने राज्य स्तरीय अमृता हाट में राजस्थान के विभिन्न जिलों के 80 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिलाओं द्वारा निर्मित/मूल्य संवर्धित उत्पादों की बिक्री के लिए लगाई गई 123 स्टॉल्स का अवलोकन किया। उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉल्स पर अवलोकन करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना की और खरीदारी भी की। उन्होंने उत्पादों की खरीदारी कर उनका यूपीआई ऑनलाइन भुगतान किया। उन्होंने युवा कलाकारों को सोशल मीडिया का उपयोग कर मार्केटिंग करने की सलाह दी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जवाहर कला केंद्र में आयोजित राज्य स्तरीय अमृता हाट में खरीदारी की।

- 'स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हाथों से निर्मित उत्पाद अद्भुत और कलात्मक, राईजिंग राजस्थान में मिलेंगे अवसर'

उन्होंने इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिला हस्तकारों को मौक़ा, मंच और मार्केट देने के लिए प्रयासरत है। दिया कुमारी ने कहा कि स्वयं सहायता सामूह की महिलाओं द्वारा निर्मित हस्त निर्मित बेहतरीन उत्पाद हैं। इनके निर्माण में बहुत मेहनत लगती है। गरीब महिलाएं अपने हाथों के हुनर से शानदार उत्पाद तैयार कर अमृता हाट जैसे बाजार में बेचने के लिए प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में राजस्थान की विभिन्न हस्त कलाओं को मंच प्रदान कर आगे बढ़ने का अवसर दिया गया है। दिया कुमारी ने कहा कि हमें गांव और अद्भुत कलाकारी का प्रतिनिधित्व करने वाली इन महिलाओं के उत्पादों की खरीददारी कर उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।

दिया कुमारी को बाड़मेर की स्वयं सहायता सामूह द्वारा निर्मित कपड़े के कलात्मक बैग ने आकर्षित किया। उन्होंने बैग को सराहना की तथा त्वरित प्रभाव से ऑनलाइन भुगतान कर खरीद लिया। इसके साथ ही उन्होंने कई कलात्मक उत्पाद जैसे कुशन, साड़ी, दुपट्टे, सजावटी सामान की खरीदारी की। वहीं उन्होंने नमकीन, पापड़, अचार चूरन का स्वाद चखा और खरीदारी की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया तथा उनके उत्पादों की खूब प्रशंसा की। दिया कुमारी ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा युवा कलाकारों को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने उत्पादों की मार्केटिंग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उत्पादों के फोटो वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करने की सलाह दी। दिया कुमारी ने यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में प्रस्तुत किए गए कालबेलिया नृत्य को देखकर इन कलाकारों की कला की प्रशंसा कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने बताया कि राज्य स्तरीय अमृता हाट में सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेल्फी पॉइंट, डू इट योर सेल्फ कार्नर, आत्मरक्षा प्रशिक्षण डेमो, फूड कोर्ट आदि इस राज्य स्तरीय अमृता हाट के मुख्य आकर्षण हैं। इस अवसर पर निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) ओ पी बुनकर, अतिरिक्त निदेशक महिला अधिकारी नीतू राजेश्वर, अतिरिक्त निदेशक भारत भूषण, उपनिदेशक महिला अधिकारिता जयपुर राजेश डोगीवल, विजयश्री तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर सहित देशभर के सौ से अधिक एयरपोर्ट को मिला धमकी भरा मेल

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट के साथ ही देशभर के सौ से अधिक एयरपोर्ट पर शुक्रवार दोपहर धमकी भरा मेल भेजा गया। बताया जा रहा है कि धमकी भरा मेल एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की ऑफिशियल आईडी पर भेजा गया है। मेल में लिखा कि रिजल्ट के लिए तैयार रहे और सब जगह होगा बूम...बूम...बूम। एयरपोर्ट पर धमकी भरा मेल मिलने के तुरंत बाद सुरक्षा जवानों के साथ ही बम निरोधक दस्ता ने एयरपोर्ट पर ऑपरेशन चलाकर सर्च किया। लेकिन सर्च में कुछ भी नहीं मिला। तब जाकर पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट थाने को भी शिकायत दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के साथ ही साइबर टीम भी जांच में जुट गई है।

- जयपुर की मशहूर होटल ललित और मेरियट में भी बम की धमकी भरा मेल मिला है

डीसीपी ईस्ट तेजस्विनी गौतम ने बताया कि शुक्रवार दोपहर बाद एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की ऑफिशियल आईडी पर धमकी भरा मेल मिला है। जयपुर एयरपोर्ट के साथ ही देशभर के सौ से अधिक एयरपोर्ट पर धमकी भरा मेल किया गया है। अज्ञात व्यक्ति ने धमकी भरा मेल भेजने पर एयरपोर्ट प्रशासन ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

एयरपोर्ट पर तैनात जवान, पुलिस टीम, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉयड सहित सीआईएसएफ की टीमों ने टर्मिनल-टू पर सर्च ऑपरेशन चलाया। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के साथ ही साइबर की टीमें मेल भेजने के बारे में जानकारी जुटा रही है।

एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की मेल पर 1 बजकर 21 मिनिट पर भेजे धमकी भरे मेल में लिखा गया। हम अकेले है,जो पूरी दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों और लोगों से टक्कर लेते हैं। हमने सबको फ्रस्टेशन में डाल दिया है, रिजल्ट के लिए तैयार रहे। सब जगह होगा, बूम...बूम...बूम...बूम। ऑल द बेस्ट। साइबर की टीमें मेल भेजने वाले को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है।

इधर शुक्रवार रात को जयपुर की मशहूर होटल ललित और मेरियट में भी बम की धमकी भरा मेल मिला है। इसके बाद होटल प्रशासन ने इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर डीसीपी ईस्ट तेजस्विनी गौतम मय जाप्ता पहुंच गईं। साथ ही डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता सहित अन्य एजेंसिंया भी मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि देर रात तक दोनों होटलों में कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली।

एचएंडएम का फेस्टिव कलेक्शन पेश

जयपुर। त्यौंहारी सीजन में एच.एंड.एम. ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए एक शानदार फेस्टिव कलेक्शन पेश किया है। इसमें स्टाइलिश महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक ओकेशन वियर और पुरुषों के लिए स्पेशल वियर की शानदार रेंज शामिल है। इस सम्पूर्ण कलेक्शन को त्यौहार को जीवंत बनाने, भीड़ से अलग दिखने और आत्मविश्वास बढाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। एचएंडएम की कॉन्सेप्ट डिज़ाइनर इलियाना मसगालोस ने बताया कि महिलाओं के कलेक्शन में शो-स्टॉपिंग सिल्हूट्स विशेष आकर्षण जोड़ते हैं। इसमें गॉडेस-लाइक ड्रेसेस, स्कर्ट, ट्रांसपेरेंट ब्लाउज़ और पार्टियों के लिए उपयुक्त सेक्विन ड्रेसेस, बोल्ड और स्कलप्चरल ज्वेलरी शामिल हैं। मेन्सवियर कंटेम्पररी एलिगेंस के साथ हेरिटेज कोड्स और शिल्प कौशल का नायब मिश्रण पेश करता है।

मानसून सत्र में एस.डी.आर.एफ.ने रेस्क्यू कर 606 लोगों को बचाया

जयपुर। मानसून सत्र के दौरान एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों ने 287 ऑपरेशन कर 606 व्यक्तियों के साथ 115 बेजुबान पशुओं को सुरक्षित बचाया। वहीं नदी-नालों में पानी के तेज बहाव में बहे एवं कुओं-बावड़ियों आदि में डूबे 235 व्यक्तियों के शवों को तलाश करने में सफलता हासिल की है।

एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि राज्य में संभावित वर्षा एवं बाढ़ से होने वाली आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य के लिए आठ कंपनियों की 51 रेस्क्यू टीमों को 31 जिलों में तैनात किया गया था।

इन रेस्क्यू टीमों ने 25 जून से 4 नवंबर तक कुल 287 रेस्क्यू ऑपरेशनों को अंजाम दिया। इनमें एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे 606 व्यक्तियों को जीवित रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। साथ ही 235 मृत व्यक्तियों की शवों को बरामद कर स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द किए गए। इस सत्र में रेस्क्यू टीमों ने 115 पशुओं को भी जीवित रेस्क्यू कर मानवता का परिचय दिया है।

एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों द्वारा मानसून सत्र में कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन किए गए हैं। इनमें 16 अगस्त को दूदू जिले के समेलिया गांव के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में फंसे 39 विद्यार्थियों एवं 8 शिक्षकों को जीवित रेस्क्यू किया।

इसके अलावा बारा में तैनात बी कंपनी कोटा की रेस्क्यू टीम ने 12 सितंबर को केलवाड़ा के अंतर्गत भैंसासुर नदी के तेज बहाव के कारण टापू बने खण्डेला गांव में फंसी प्रसूता व नवजात सहित परिजन को जीवित रेस्क्यू किया।

नवरात्रि के पावन पर्व पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को श्री अचल दास जी की छतरी सती माता मंदिर, प्रांगण रुंडल, आमेर-जयपुर में आयोजित कच्छवाहा वंश की कुलदेवी श्री जमवाय माता कथा का श्रवण किया। उन्होंने कथावाचक महंत डॉ. करणी प्रताप से भेंट की। शेखावत ने इस पुण्यदायी आयोजन के लिए भवानी सिंह शेखावत रुंडल सहित सभी सामाजिक जनों को साधुवाद दिया।

'कंगाली में आटा गीला' की पीड़ा से किसान त्रस्त : रामपाल जाट

जयपुर। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार द्वारा खरीद आरंभ नहीं करने के कारण किसानों को अपना उत्पाद औने पौने दामों में बेचने को विवश होना पड़ रहा है। सितंबर माह के अंतिम सप्ताह की छोटी अवधि में ही किसानों को 150 लाख रुपए से अधिक का घाटा उठाना पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य की बगरू, चोमूं, श्रीमाधोपुर, केकड़ी, दौसा, लालसोट, मुंडावर, मंडावरी, बयाना एवं डीग की मंडियों में 50,800 क्विंटल बाजरा किसानों को 2200 से लेकर 2400 रुपये प्रति क्विंटल बेचना पड़ा जबकि सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल है। एक क्विंटल पर औसत 300 रुपये के अनुसार सितंबर माह में किसानों को घोषित न्यूनतम मूल्य से 1 करोड़ 52 लाख 40 हजार रुपए कम प्राप्त हुए प्राप्त हुए। इस वर्ष बरसात की अधिकता के कारण अधिकांश फसले नष्ट हो गई, जो फसल बची उसे भी वे दाम नहीं मिल रहे जिन्हें सरकार न्यूनतम बताती है। राजस्थान सरकार के अनुसार इस वर्ष बाजरे की उत्पादन की संपूर्ण लागत (सी-2) 1936 रुपए प्रति क्विंटल है। भारत सरकार के बजट 2018-19 की घोषणा की पालना में डेढ़ गुना मूल्य 2904 रुपए प्रति क्विंटल होता है। उसके अनुसार तो किसानों को एक क्विंटल पर 700 तक कम प्राप्त हो रहे हैं। देश में बाजरे का उत्पादन राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे सात राज्यों में होता है, इनमें अकेले राजस्थान का अंश 48 फीसदी है। इस वर्ष खरीफ की फसले 50 से लेकर 90 तक खराब हो गई, जो पैदा हुआ है, उसके दामों से उत्पादक किसान वंचित होने की पीड़ा से त्रस्त है, दूसरी और सरकार मंदिरों के दर्शन में व्यस्त है। किसानो की ओर से 1 अक्टूबर से खरीद आरंभ करने के लिए ज्ञापनों द्वारा मुख्यमंत्री को अनुनय विनय भी निरंतर किया जा रहा है किंतु उसका परिणाम ढाक के तीन पात जैसा होने से सरकार का यह व्यवहार किसानों के लिए कटे पर नमक छिड़कने जैसा है।

जम्मू-कश्मीर, हरियाणा में बहुमत के साथ बनेगी भाजपा सरकार : डॉ.चतुर्वेदी

जयपुर। भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर, हरियाणा में भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है, वहीं राजस्थान की सात विधानसभा में आगामी उपचुनावों में भी सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएगी। डॉ चतुर्वेदी ने सदस्यता अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता सरकार के कार्यों को लेकर जनता के बीच जा रहे है, इससे भाजपा का जनाधार बढ़ रहा है।

डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि उपचुनावों वाली सभी सातों सीटों में से पिछले चुनावों में भाजपा के पास एक सीट थी, छह सीटों पर कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के जनप्रतिनिधि चुने गए थे। भाजपा अपनी 1 सीट पर तो जीत दर्ज

- 'प्रदेश में भाजपा के कार्यकर्ताओं की बढ़ी सक्रियता, आगामी उपचुनावों में भाजपा लगाएंगी लंबी छलांग'

कराएगी ही, इसके साथ शेष 6 सीटों पर भी कमल खिलाकर अपने खाते में डालेगी। आगामी उपचुनावों में सभी सीटों पर भाजपा प्रत्याशी भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज कराएगा। भाजपा के कार्यकर्ता ने पिछले चार-पांच माह में लगातार बूथ पर सक्रियता बढ़ाई है और केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। ऐसे में सभी सीटों पर भाजपा लंबी छलांग लगाएगी।

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। भाजपा की स्थिति पहले की तुलना में बहुत मजबूत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हरियाणा की भाजपा सरकार के कार्यों की बदौलत तीसरी बार भाजपा सरकार बनाएगी। वहीं जम्मू कश्मीर चुनावों में भारी मतदान को देखते हुए डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि इस बार कश्मीर में अच्छा मतदान हुआ है। कश्मीर के लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों पर विश्वास जताया है। ऐसे में जनता के विश्वास और मतदान को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में भाजपा सरकार बनाने जा रही है। मोदी सरकार ने घाटी से आतंकवाद समाप्त कर दिया, धारा 370 हटाकर एक देश एक विधान और एक प्रधान वाले ध्येय वाक्य को चरितार्थ किया।

महेंद्र शर्मा ने जयपुर डिस्कॉम में संभाला कार्यभार

जयपुर । राजस्थान पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी महेंद्र शर्मा ने जयपुर डिस्कॉम में बतौर एडिशनल एसपी कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस मौके पर विजिलेंस विंग के कार्मिकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। बता दें कि इससे पहले महेंद्र शर्मा जयपुर विकास प्राधिकरण में मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने कई बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया था।

सी.एल.जी. सदस्यों की नियुक्ति को लेकर डिप्टी सी.एम. बैरवा के खिलाफ परिवाद वापस

जयपुर। महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-11 ने सरकारी लेटर पैड पर थाने में सीएलजी सदस्य नियुक्त करने की सूची जारी करने के मामले में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के खिलाफ दायर परिवाद को वापस लेने के आधार पर उसे खारिज कर दिया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने नए आपराधिक कानून के तहत परिवादी को मामले में परिवाद पेश करने की शक्ति नहीं होने की जानकारी दी। अदालत ने कहा कि नए आपराधिक कानून के तहत सम्बंधित लोक सेवक के खिलाफ उसका वरिष्ठ अधिकारी परिवाद दायर कर सकता है। ऐसे में परिवादी ने अपना परिवाद वापस लेने की अनुमति मांगी। इस पर अदालत ने परिवाद को वापस लेने के आधार पर उसे ख़ारिज कर दिया।

परिवादी बलराम जाखड़ ने अपने परिवाद में डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा को आरोपी बताने हुए कहा गया था कि राजस्थान पुलिस नियम के नियम 55 में प्रावधान है कि सीएलजी सदस्यों की नियुक्ति पुलिस अधीक्षक की ओर से की जाएगी।

वहीं नियम 12 के तहत ऐसे किसी व्यक्ति को सीएलजी सदस्य के तौर पर नियुक्त नहीं किया जा सकता, जो कि राजनीतिक दल से जुडा हुआ हो। इसके बावजूद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने गत 21 जून को अपने लेटर पैड पर 15 सीएलजी सदस्यों को मनोनीत कर उसकी सूची मौजमाबाद थानाधिकारी को भेज दी।

जबकि नियमानुसार यह शक्ति सिर्फ पुलिस अधीक्षक को प्राप्त है। इसके अलावा इस मनोनयन में नियम 12 के प्रावधानों की पालना भी जरूरी है। गौरतलब है कि बीते दिनों डिप्टी सीएम बैरवा का एक लेटर पैड सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें मौजमाबाद थानाधिकारी को संबोधित करते हुए पन्द्रह लोगों को थाने में सीएलसी सदस्य के तौर पर मनोनीत करने के लिए लिखा गया था।

आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आगाज

जयपुर । मास्टर आर्टिस्ट की एकमात्र संस्था शिल्पकार आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन 4 से 7 अक्टूबर तक जवाहर कला केंद्र में स्थित सुरेख गैलरी में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी।

इस अनूठी प्रदर्शनी में कई राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार विजेता कारीगरों के साथ-साथ शिल्पगुरू भी शामिल होंगे। भारतीय हस्तशिल्प में सर्वोच्चतम पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं इन कारीगारों के द्वारा तैयार की गई पारंपरिक भारतीय कला रूपों का प्रदर्शन इस आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन में किया गया है।

कार्यक्रम में शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी शिरकत की। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा ने किया। इसके अलावा, फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीईओ, जगदीश कातिल; चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेसिडेंट, के एल जैन और सुधीर माथुर ने भी प्रदर्शनी में शामिल हुए। इस आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन में आगंतुकों को भारत की समृद्ध कलात्मक धरोहर के विविध शिल्पों का अद्भुत देखने का अवसर मिलेगा।

इनमें मिनिएचर पेंटिंग, रत्नकला, मीनाकारी, तर्खाशी, संजी आर्ट, फड पेंटिंग, टेराकोटा पॉटरी और चंदन की नक्काशी जैसे शिल्प शामिल है जिसमे प्रवेश नि:शुल्क है। यह जानकारी कार्यक्रम के संचालन, सुनिश मारू ने आज दी।

निर्माणाधीन मकान से नीचे गिरने से युवक की मौत

जयपुर । भांकरोटा थाना इलाके में एक निर्माणाधीन मकान की ऊंचाई से गिरकर एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। पेट में अंदरूनी चोट आने पर भी इलाज नहीं करवाने से दो दिन बाद उसकी मौत हो गई। मृतक की बहन ने मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि मृतक की बहन अंजली बैरवा ने ठेकेदार भंवर लाल, मकान मालिक व साथी मजदूर गोवर्धन व प्रीतम के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है कि हादसे में बैजुपाडा दौसा निवासी दिलीप कुमार (35) की मौत हो गई। वह पिछले छह महीने से भांकरोटा स्थित निर्माणाधीन मकान पर रहकर काम कर रहा था। जहां निर्माणाधीन मकान पर काम करते समय बल्ली-फंटे से नीचे गिर गया। इससे उसके पेट में अंदरूनी चोट आई।

ठेकेदार भंवर लाल कुमावत ने ऊंचाई से गिरने से पेट में अंदरूनी चोट लगने की बात छिपा ली और फोन पर कहा कि दिलीप के पेट में दर्द ज्यादा है। कहीं अपने देवी-देवताओं की वजह से तो नहीं है। मना करने पर भी दो दिन तक दिलीप का इलाज नहीं करवाया। इसके बाद हालत बिगड़ने पर एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान दिलीप की मौत हो गई।

मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया था। कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

शिल्पकारी प्रदर्शनी 5-6 अक्टूबर को

जयपुर । भारतीय हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट के समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी मंच शिल्पकारी, 5 और 6 अक्टूबर को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम के फ्रंट लॉन्स में सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक दो दिवसीय एग्जीबिशन लगायेगा। इस एग्जीबिशन में कुशल कारीगर और कलाकार एक मंच पर साथ आएंगे, जो कला और शिल्प के उत्कृष्ट, हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार करते हैं, इनमें से कई राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और स्टेट अवॉर्ड विजेता शामिल हैं।

एन.पी.एस. की राशि निकालने वाले कर्मचारियों को बड़ी राहत

जयपुर । वित्त विभाग द्वारा आज एक आदेश जारी कर यह स्पष्ट किया गया है कि जिन कर्मचारियों ने एनपीएस में जमा अपने कुल राशि की 25 फीसदी राशि अग्रिम आहरित कर ली थी और अभी तक जमा नहीं कराई थी तो उन्हें जमा करवाने से छूट देते हुए इसे उनकी सेवानिवृत्ति पर समायोजित किए जाने का निर्णय लिया है।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि अभी तक सरकार ने पुरानी पेंशन पर अपनी स्पष्ट राय व्यक्त नहीं की है परंतु सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार पुरानी पेंशन को यथावत जारी रखेगी। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने कहा कि इससे उन हजारों कर्मचारियों को लाभ मिलेगा जो किन्हीं कारणों से सरकार द्वारा बारंबार यह राशि वापिस जमा कराने की अवधि बढ़ाई जाने के बाद भी राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि आज के बाद अगर कोई अब एनपीएस से अग्रिम राशि आहरित करेगा तो उसे पुरानी पेंशन के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

जीआईटी थाईलैंड के दल का स्वागत

जयपुर । जैम एंड ज्वैलरी इंस्टीट्यूट ऑफ थाईलैंड (जीआईटी) का 15 सदस्यीय दल जयपुर पहुंचा। इस डेलिगेशन का ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर कार्यालय में स्वागत किया गया। इस अवसर पर ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक सौंखिया, मानद मंत्री नीरज लुणावत, उपाध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोडीवाला, पूर्व अध्यक्ष डी.पी. खण्डेलवाल, निर्मल कुमार बरडिया, विजय केडिया एवं कार्यकारिणी सदस्य महावीर कुमार डागा, गोविन्द कुमार गुप्ता एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। जीआईटी चैयरमेन नुन्तावन शकूनतंगा ने थाईलैंड में संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी, उन्होंने कहा कि जीआईटी के माध्यम से थाईलैंड में जेम्स-ज्वैलरी डिजाइनिंग और प्रोसेसिंग को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर की ओर से जेम्स-ज्वैलरी ट्रेड के प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और जस-2025 में भाग लेने की इच्छा जताई। इस मौके पर ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष आलोक सोंखिया और उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने थाईलैंड के प्रतिनिधियों को एसोसिएशन की जेम्स-ज्वैलरी ट्रेड प्रोत्साहन गतिविधियों से अवगत कराया। विदेशी मेहमानों ने सिटी पैलेस का विजिट किया, जहां वे राजस्थान की वास्तुकला, रंग-बिरंगी संस्कृति और इतिहास से बेहद प्रभावित नजर आए।

कांग्रेस पार्टी विकास कार्यों की दुश्मन : झाबर सिंह खर्रा

जयपुर। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश की जनता के लिए शानदार एवं ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी एवं अटल इरादों से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कांग्रेस के गड्ढों को भरने का काम कर रहे हैं।

- 'जनहित के कामों में रुकावट डालेंगे कांग्रेसी'
- 'कांग्रेस नेताओं की ''खर्ची'' के बंदोबस्त सलाखों के पीछे होंगे'

खर्रा ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही पेपर लीक पर कड़ा प्रहार करते हुए एसआईटी का गठन कर सख्त कार्रवाई की, प्रदेश में एकीकृत ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर जैसे बड़े फैसलों के माध्यम से जल उपलब्धता का नवीन युग प्रारम्भ किया। प्रदेश को बिजली में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार द्वारा लगातार युवाओं को रोज़गार दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इन सभी सकारात्मक कार्यों एवं फैसलों से परेशान होकर ऊलजलूल बयान दे रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष जनता के लिए किए जा रहे कार्यों को पचा नहीं पा रहे है और विकास के कामों को रोकना चाहते हैं। मंत्री खर्रा ने कहा कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष को सरकार के आंतरिक मामलों में किसी भी प्रकार का दख़ल देने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा निरंतर मजबूत फैसले ले रहे हैं और भविष्य में भी निश्चित रूप से जनहित में कड़े फ़ैसले लिए जाएंगे। खर्रा ने कहा कि होटल वाली पिछली सरकार के प्रदेशाध्यक्ष अपने बयानों से सोशल मीडिया पर केवल झूठी वाहवाही लूटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में काम कर रही है। ऐसा सुनने में आता है कि पिछली कांग्रेस सरकार के पनपाए हुए भ्रष्टाचारी जो कांग्रेसी नेताओं की खर्ची का बंदोबस्त करते थे, वे ज़रूर सलाखों के पीछे होंगे।

कन्या पूजन कर शिक्षा सामग्री बांटी

जयपुर । वर्गो सांस्कृतिक संस्थान गणगौरी बाजार की ओर से नवरात्र में बडोदिया बस्ती स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय की 111 छात्राओं का पद प्रक्षालन कर मोजन प्रसादी में पूरी, सब्जी, हलवा, चने वितरित किए गए। भोजन प्रसादी के बाद छात्राओं को पेन्सिल, रबड प्रत्येक कन्या को उपहार स्वरूप प्रदान की गई, जिसमें कक्षा-1 से 6 तक की कन्याएं सम्मिलित थी।

पुलिस भर्ती प्रक्रिया आखिरी दौर में, अंतिम परिणाम शीघ्र

जयपुर । राजस्थान में पुलिस मुख्यालय की ओर से कांस्टेबल भर्ती 2023 के तहत 3578 पदों के लिये आयोजित की गयी सभी दौर की परिक्षाएं विभाग द्वारा संपन्न कराने के बाद भर्ती प्रक्रिया अंतिम दौर में हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड राजस्थान बिपिन कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार को बताया कि अंतिम दौर की दक्षता परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की सूची शीघ्र ही तैयार करके संपूर्ण परीक्षा का अंतिम परिणाम जल्द ही पुलिस वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा। साथ ही इसे अभ्यर्थियों से सम्बंधित जिलों के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि कांस्टेबल भर्ती-2023 के लिये 13 एवं 14 जून, 2024 तक आयोजित कम्प्यूटर आधारित परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों में कांस्टेबल, चालक, घुड़सवार, श्वानदल एवं बैण्ड पद के अभ्यर्थियों की दक्षता परीक्षा 23 से 25 सितम्बर तक रेंज मुख्यालय स्तर पर आयोजित करवायी गयी थी। पाण्डेय ने बताया कि अभ्यर्थियों के अन्तिम चयन की कार्रवाई के लिये आवेदित जिला एवं इकाई कार्यालय के लिये गठित चयन बोर्ड को निर्देशित किया है। चयन बोर्ड द्वारा अभ्यर्थियों के अन्तिम चयन की कार्रवाई शीघ्र ही सम्पादित करके सूचियां नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जायेगी।

आंकड़ों से नहीं आमजन की खुशहाली से समृद्ध होगा देश : डॉ. महेंद्र मधुप

जयपुर । देश के सुविख्यात कृषि पत्रकार और मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार एवं मिशन पर्यावरण योद्धा परिवार के फाउंडर डॉ. महेन्द्र मधुप ने कहा है कि आज हमें यह निर्णय लेना होगा कि आंकड़ों से देश समृद्ध हो या आमजन खुशहाल हो।

कोटा राष्ट्रीय दशहरा मेले का ध्वजारोहण के साथ आगाज

आत्मनिर्भर भारत का मॉडल होते हैं मेले : स्पीकर ओम बिरला

कोटा, (निसं)। कोटा राष्ट्रीय दशहरा मेले का ध्वजारोहण के साथ भव्य आगाज हुआ। मुख्य अतिथि लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने मेले के उद्घाटन की औपचारिक घोषणा की। इस दौरान आसमान में गुब्बारे छोड़े गए। इसके बाद रामलीला का भी शुभारंभ हुआ। इस दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी तथा महापौर राजीव भारती भी उपस्थित रहे।

कोटा राष्ट्रीय दशहरा मेले का मुख्य अतिथि लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने विधिवत शुभारंभ किया।

- लोसभा स्पीकर ओम बिरला ने मेले के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की

समारोह को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने कहा कि मां दुर्गा के विविध स्वरूप की पूजा-अर्चना करने से जो शक्ति प्राप्त होती है, वह जन-जन के कल्याण के काम आए। मां के पूजन से समृद्धि और खुशहाली आती है। मां दयालु होती है। वह पापी का नाश करने के लिए दुर्गा का स्वरूप भी धारण कर लेती है। नवरात्रि भी इसी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने का अवसर है। यह आत्म शुद्धि और आत्म चिंतन का अवसर प्रदान करता है। धर्म के मार्ग पर चलते हुए सत्य के मार्ग पर चलते हुए जीवन की चुनौतियों से निपटने का अवसर हमको प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राज परिवारों द्वारा कई वर्षों पहले संस्कृति के पर्व मेले शुरू किए गए थे। मेले की परंपरा में व्यापार करने वाले व्यापारी मेलों के माध्यम से आर्थिक संबल प्राप्त करते हैं। यह मेले आत्मनिर्भर भारत का मॉडल है। हमें गर्व है कि हमारा मेला राष्ट्रीय स्तर का मेला बन चुका है। यह हमारे धर्म संस्कृति का प्रतीक है। रामलीला भी शुरू हुई है। भगवान श्रीराम के जीवन दर्शन और विचारों को प्रकटीकरण है। जिससे हमें प्रेरणा मिलती है। भगवान श्रीराम ने 14 वर्ष वनवास में रहते हुए गरीब वंचित को साथ लेकर सत्य और पाप पर विजय प्राप्त की थी। हेमा मालिनी बहुत लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से हैं। उन्होंने कला के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक संस्कृति को विश्वभर में पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान है। उनकी कला शैली सदैव जीवंत रहेगी।

इस दौरान रामलीला का भी शुभारंभ हुआ। श्यामा श्याम लीला संस्थान, वृन्दावन के कलाकार श्रीराम लीला का मंचन करेंगे। इस संस्थान के द्वारा अब तक कनाडा, थाईलैंड, अमेरिका, नेपाल समेत विभिन्न देशों में रामलीला का मंचन किया जा चुका है। वही कोटा में भी पूर्व में रामलीला, कृष्ण लीला और रासलीला का मंचन कर चुके हैं। संस्थान के अध्यक्ष हरिबल्लभ शर्मा 'रासाचार्य' ने बताया कि संस्थान की ओर से संगीतज्ञ, मंच सज्जा के कारीगर और अभिनय करने वाले पात्र समेत कुल 30 लोगों की टीम कोटा पहुंच चुकी है। व्यास पीठ पर पं. महेश शर्मा विराजमान होकर रामलीला का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री रामचरितमानस पर आधारित प्रसंग का मंचन किया जाएगा। वहीं राधेश्याम रामायण और वाल्मीकि रामायण से भी कुछ पुट लेते हैं। इस बार रामलीला के दौरान विशेष मंच सज्जा देखने को मिलेगी।

10 लाख के जेवर सहित 80 हजार की नकदी चोरी

बेटी की कुछ माह बाद होने वाली शादी के लिए सोने-चांदी के जेवर बनाकर रखे थे

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर की उस्मान कॉलोनी में गुरुवार रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाया। चोर करीब 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर और 80 हजार रुपए की नकदी को चुराकर ले गए। वहीं पास के कमरे में ही परिवार के लोग सो रहे थे। सूचना मिलने पर उदेई मोड़ थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और चोरी का मौका मुआयना कर मामला दर्ज किया।

- वारदात के दौरान पीड़िता अपने बच्चों के साथ दूसरे कमरे में सो रही थी
- सूचना पर उदेई मोड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया

जानकारी के अनुसार मेहराज बानो और उनके पुत्र व पुत्री गुरुवार रात को एक कमरे में सो रही थी। मेहराज का ससुर अलग एक कमरे में सो रहा था। पति निजाम खां पुरानी दिल्ली में कुली का काम करता है और वह दिल्ली में था। जिस कमरे में सोने-चांदी के जेवरात रखे हुए थे, उसकी कुंदी लगा रखी थी। एक बजे तक घर में सभी लोग बात करके सोए थे। चोरी का पता सुबह सात बजे उठने के बाद लगा तो देखा कि कमरे के गेट टूटे हुए थे और सामान बिखरा हुआ पड़ा था। इस दौरान चोरों ने मकान के लगे मुख्य कुंदे (सांखल) को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में रखे सामान को खंगाला और चारों तरह बिखेर दिया। इसके बाद चोरों ने बक्शा व आलमारी का ताला तोड़ दिया और इसमें दो तीन पर्स में रखे 3.5 तोला सोने की एक चेन, पेंडिल डबल कुंदा एक तोला, सोने की आधे तोला अंगूठी, एक तोला एक जोड़ी कान के टॉप्स, एक तोला सोने की बाली, 500 ग्राम चांदी की पायजेब, 1.25 ग्राम चांदी की एक जोड़ी छागल चूडी सहित चांदी के हाथफूल, चांदी की चूड़ी सहित 80 हजार रुपए की नकदी व सामान को चोर चुराकर ले गए। जेवर की कीमत करीब 10 लाख रुपए है। उदेई मोड़ थाना पुलिस ने बताया कि पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर चोरी का मौका मुआयना किया। साथ ही मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है।

एक सप्ताह में इस कॉलोनी में दूसरी वारदात :- एक सप्ताह पहले इसी मोहल्ले में मोहम्मद अमजद के सूने मकान में चोर मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण चुराकर ले गए। मामला दर्ज कराने के बावजूद चोरों को पुलिस अभी तक नहीं पकड पाई है। जिससे चोरों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। पीड़ित परिवारजनों ने बताया कि उसके एक बेटा और बेटी है और बेटी की कुछ माह बाद शादी करनी थी और इसके लिए सोने-चांदी के जेवर बनाकर रखे थे।

ब्यावर। अग्रवाल समाज के तत्वाधान में फतेहपुरिया बगीची में अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में गरबा डांडिया रास का आयोजन किया गया। अमित बंसल ने बताया कि गरबा अग्रवाल समाज की बच्चियों, युवतियों व महिलाओं हेतु आयोजित किया गया जिसमें समाज की युवतियों व महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गरबा महोत्सव का मुख्य आकर्षण सभी वर्गों हेतु बेस्ट ड्रेसअप व पांचिया (युगल) नृत्य था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माधोप्रसाद, मनमोहन, जितेंद्र चोखनी ने दीप प्रजवल्लित कर गरबा महोत्सव का शुभारम्भ किया।

बुजुर्ग महिलाओं से जेवर छीनने के दो मामलों का पर्दाफाश

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार व वृत्ताधिकारी वृत जैतारण रविन्द्र प्रताप सिंह के निकटतम सुपरविजन में आये दिन चोरी, नबकजनी लूट, डकैती की बढ़ती वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए बदमाशों की धरपकड़ की जा रही है। सेंदड़ा थानाधिकारी जगदीश मय टीम ने सोने की टूसी (जेवर) लूट के मामले का खुलासा करते हुऐ एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से लूट का माल बरामद किया।

ब्यावर में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार 28 सितंबर को कानाराम कुम्हार निवासी गांव गिरी थाना सेंदड़ा ने शिकायत दर्ज करवाई कि दोपहर 12 बजे मेरी दादी पानी देवी निवासी गिरी घर के बाहर बैठी थी। उसी दौरान अज्ञात चोर मेरी दादी के गले में पहनी टूसी छीनकर भाग गया। मामले की गंभीरता समझते हुए पुलिस टीम का गठन कर तलाश की गई। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चैक किये गये। जांच पड़ताल पर आरोपी इकबाल ने अपना अपराध स्वीकार किया। पूछताछ के दौरान ही सेंदड़ा थाने के ही अन्य मामले में 19 अप्रेल को ग्राम गिरी में तलाब के पीछे सुनसान जगह से गुजरती हुई एक बुजुर्ग महिला शांति देवी माली निवासी गांव गिरी की टूसी छीन ले जाना बताया। आरोपी इकबाल को गिरफ्तार करने में पुलिस टीम ने सफलता प्राप्त की। आरोपी इकबाल पुत्र गफरू ढोली (मेरासी) निवासी रेगरों का मौहल्ला गिरी थाना सेंदड़ा आदतन अपराधी है और बुजुर्ग महिलाओं की रैकी कर उनके अकेली मिलने पर गले से सोने की टूसी छीन कर फरार हो जाता है।

- पुलिस ने जेवर लूट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया

दो शातिर चेन स्नेचर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने शुक्रवार को दो शातिर चेन स्नेचर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन तोले सोने की एक चेन भी बरामद की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। धंबोला थाने के एसआई मणिलाल ने बताया कि ढूंढरिया गांव में 25 जुलाई को बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला के साथ चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया था। बदमाश महिला के गले से 3 तोले सोने की चेन लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इसके बाद से पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस को बदमाशों के बारे में कई सुराग मिले। पुलिस ने आरोपी गुजरात के संतरामपुर निवासी सलीम बंजारा और एमपी निवासी गुलरेज खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने वारदात को करना कबूल किया।

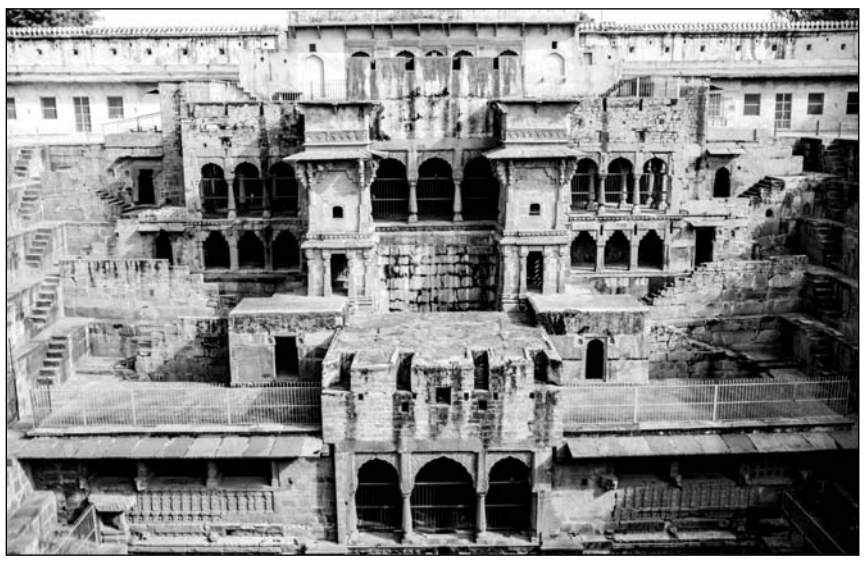
दौसा के आभानेरी ग्राम में दसवीं शताब्दी का हर्षद माता मंदिर व उसके पास ही विश्वविख्यात चांद बावड़ी सैलानियों के लिए खासी आर्कषण का केंद्र है।

9.70 लाख की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले को एक शातिर ठग को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 9.70 लाख रुपए की ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी गुजरात के मेहसाणा का रहने वाला है।

साइबर थानाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि 27 मार्च को दिलीप मेघवाल पुत्र धुलेश्वर मेघवाल निवासी खुदारडा ने मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया कि 20 फरवरी को उसके पास एक कॉल आया कि आप अपना डीमैट खाता खुलवाकर ऑनलाइन ट्रेडिंग टिप डिब्बा ट्रेडिंग कार्य करो, जिसमें काफी अधिक मुनाफा कमा सकते हो, जिस पर डीमैट अकाउंट खुलवाकर कॉल करने वाले व्यक्ति के साथ में काम करने लगा। उस व्यक्ति ने ट्रेड खरीदने के नाम पर अलग-अलग अकाउंट में 9 लाख 70 हजार रुपए ट्रांसफर करवाए। इसके बाद मुनाफे की बात करने पर वह उसे झूठी दिलासा देता रहा। बार-बार पूछने पर उसने फोन आउट ऑफ कर दिया, जिस पर उसे ठगी का अहसास हुआ। मामले में साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। अकाउंट डिटेल का पता लगाने पर मुख्य आरोपी देवसिंह उर्फ बकाजी पुत्र रामसंग ठाकोर निवासी वागाजी पूरा गोठवा थाना विसनगर हाल वडनगर जिला मेहसाणा गुजरात का पता लगा। पुलिस ने आरोपी के बारे में सादे वर्दी में पता लगाया। आरोपी के ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लोगों से ठगी करने की वारदातों का लगा लगा। पुलिस ने आरोपी देवसिंह उर्फ बडला को गिरफ्तार कर लिया है।

सरकारी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के ताले टूटे

अजमेर, (कासं)। शहर में सक्रिय चोर गिरोह ने तोपदड़ा स्थित महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम सरकारी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र को निशाना बनाया। अज्ञात चोरों ने स्कूल की दीवार में सेंधमारी कर प्रवेश किया और कई कमरों के ताले तोड़े। शुक्रवार सुबह जब स्कूल स्टाफ पहुंचा, तब ताले टूटने की घटना का पता चला। सूचना पर पहुंचे पार्षद ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। स्थानीय पार्षद श्रवण कुमार ने बताया कि तोपदड़ा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पता चला कि महात्मा गांधी स्कूल के प्रिंसिपल कक्ष, पोषाहार कक्ष, दिव्यांग कक्ष, स्पोर्ट्स रूम, स्टोर सहित सात-आठ कमरों के ताले टूटे हुए मिले हैं तथा सामान बिखरा पड़ा था। सामान पूरी तरह से अस्त-व्यस्त था। पास ही बने आंगनबाड़ी केन्द्र का भी ताला तोड़ा गया और वहां का सामान भी अस्त-व्यस्त पड़ा था।

खड़े कंटेनर में घुसी पिकअप, एक की मौत

अजमेर, (कासं)। मांगलियावास थाना क्षेत्र के ब्यावर रोड स्थित तबीजी हाईवे पर शुक्रवार सुबह सब्जी से भरी पिकअप तेज स्पीड में सड़क किनारे खड़े कंटेनर के पीछे जा घुसी। पिकअप में सवार दो सगे भाई स्टेरिंग में फंस गए। दोनों को एक घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया, जिसमें से गाड़ी चला रहे छोटे भाई चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बड़ा भाई गंभीर घायल हो गया, जिसे जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार जारी है। हादसा मांगलियावास के तबीजी गैस प्लांट के सामने हुआ। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह सब्जी से भरी पिकअप जयपुर से ब्यावर की तरफ जा रही थी। तेज स्पीड में आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने के चक्कर में सड़क किनारे खड़े कंटेनर के पीछे जा घुसी। पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पिकअप में भरी सब्जी की बोरियां 200 मीटर दूर जा गिरी। हादसे की सूचना पर मांगलियावास थाने से एएसआई हुकमसिंह राठौड़, कॉन्स्टेबल हेमराज ढाका जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कंटेनर में फंसी पिकअप को अन्य वाहन की मदद से बांधकर बाहर निकाला।

मांगलियावास थाने के एएसआई हुकमसिंह राठौड़ ने बताया कि कंटेनर से टकराने के दौरान पिकअप चालक जवाजा के भेरूखेड़ा निवासी सांवरलाल पुत्र त्रिलोक माली और उसका बड़ा भाई नीरज पुत्र त्रिलोक पिकअप की स्टेरिंग में फंस गए। पिकअप की स्टेरिंग में फंसे दोनों सगे भाइयों को क्षतिग्रस्त पिकअप को दो अन्य वाहन से बांधकर अलग किया। एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों सगे भाइयों को बाहर निकाला जा सका। छोटे भाई सांवरलाल की मौत हो गई, जबकि एंबुलेंस की मदद से दूसरे घायल भाई को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया।

50 किलो चांदी के साथ एक गिरफ्तार

गुंसी पुलिस ने 49.822 किलो चांदी सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

निवाई, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र की गुंसी चौकी पुलिस ने लोक परिवहन की बस से यात्रा कर रहे एक व्यक्ति को करीब 50 किलो चांदी के साथ गिरफ्तार किया है।

सदर थाने के सहायक उपनिरीक्षक बिरधीचंद ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि टोंक से जयपुर जा रही लोक परिवहन बस में ड्राईवर की सीट के पीछे बैठे एक व्यक्ति के पास दो थैलों में कच्ची चांदी धातु रखी हुई है, जिस पर पुलिस उक्त बस को रूकवाया और संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ की तथा थैलों की तलाशी ली। जिसके दौरान थैलों में रखे हुए धातु के बारे में जानकारी ली तो वह संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाया। पुलिस ने आरोपी कन्हैलाल पुत्र महावीर पारासर निवासी देवली को गिरफ्तार करके आरोपी से 49.822 किलोग्राम कच्ची धातुनुमा चांदी जब्त कर ली।

- लोक परिवहन बस से यात्रा कर रहा था आरोपी

भारत की विदेशों में प्रतिष्ठा खराब करने वालों को भगवान सद्बुद्धि दें: पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी सालासर बालाजी धाम पहुंचे

सुजानगढ़/सीकर, (निसं)। उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार दोपहर को सालासर पहुंचकर बालाजी महाराज के दर्शन किए। सीएम धामी ने बालाजी के दर्शन कर कहा कि जो लोग विदेशों में जाकर भारत की प्रतिष्ठा खराब करते हैं, उन्हें ईश्वर सद्बुद्धि दें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 60 साल के शासनकाल में भारत में गरीबी बढ़ी है। भारत देश में 2014 के बाद अन्तिम छोर में बसे व्यक्ति व गरीबों के लिए योजनाएं बनी है। देश वैश्विक रूप में मजबूत है।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले सीमावर्ती राज्यों में कोई ध्यान नहीं देता था, लेकिन अब बॉर्डर पर बसे गांवों को मुख्य धारा में लाने के लिए सड़कें बनाई जा रही है। इस मौके पर सीएम धामी का सालासर बालाजी मन्दिर में पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा धर्मवीर पुजारी, मांगीलाल पुजारी, हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी, मनोज पुजारी, कमल पुजारी, प्रकाश पुजारी, नागरमल पुजारी, अरविन्द पुजारी सहित पुजारी परिवार के सदस्यों ने बालाजी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया।

उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सालासर पहुंचकर बालाजी महाराज के दर्शन किए।

हेलीपेड पर कलेक्टर व भाजपा कार्यकर्ताओं ने की सीएम की अगवानी :- सालासर मन्दिर आने से पहले सीएम पुष्कर सिंह का चूरू कलेक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी जय यादव, खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, राहुल लेघा, नेता प्रतिपक्ष नगरपरिषद जयश्री दाधीच, पार्षद पुरूषोत्तम शर्मा, पार्षद पंकज घासोलिया सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने धामी की अगवानी करते हुए स्वागत किया।

राजस्थान के पीएचईडी मंत्री ने किए दर्शन :- राजस्थान के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने भी शुक्रवार को बालाजी के दर्शन किए। बालाजी मन्दिर में मंत्री चौधरी ने बालाजी के पूचा-अर्चना कर रिकॉर्ड तोड हुई बारिश पर बालाजी का धन्यवाद जताया। मंत्री चौधरी ने अधिकारियों से पेयजल व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया। उन्होनें कहा कि सालासर मेले में यात्रियों की सुविधाओं में किसी प्रकार की कमीं नही रहने चाहिए।

इससे पूर्व उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को तारपुरा हवाई पट्टी पर पहुंचे, जहां पर जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह जोधा ने मुख्यमंत्री धामी को गुलदस्ता देकर अगवानी की। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तारपुरा हवाई पट्टी से सालासर के लिए प्रस्थान कर गये। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी सीकर निखिल पोदार भी उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री ने बाबा श्याम के दर्शन किये

सीकर। शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं पंचायतीराज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को खाटूश्यामजी में बाबा श्याम के मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना व दर्शन कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रतापसिंह चौहान ने शिक्षा मंत्री दिलावर को बाबा श्याम का दुपट्टा ओढ़ाकर व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया।

मैं हॉकी निदेशक के रूप में एसजी पाइपर्स का कार्यभार संभालने के लिए उत्साहित हूं। एक पेशेवर एथलीट के रूप में अपने रिटायरमेंट बाद, मैं देश में हॉकी खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहता हूं। -पीआर श्रीजेश

भारतीय गोलकीपर, फ्रैंचाइज ने हॉकी निदेशक के रूप में नियुक्त किये जाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ऋषभ पंत

अपनी प्रतिभा के दम पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाया है। हर क्रिकेटर का यह ख्वाब होता है कि वह भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे और टीम में निरंतर बना रहे। ऋषभ पंत ने अपने इन दोनों ही ख्वाबों को पूरा किया है। बता दें कि मजह 12 साल की उम्र से उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरूकर दिया था। फिर वह अपनी मां के साथ उत्तराखंड से दिल्ली आए। तो उन्होंने सोनेट क्रिकेट एकेडमी में एडमिशन लिया। जब वह पहली बार दिल्ली आए थे, तो ऋषभ पंत ने अपनी मां के साथ गुरुद्वारे में रात गुजारी थीं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकार्ड मैथ्यू हैडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

ईरानी कप का चौथा दिन : रेस्ट ऑफ इंडिया 416 पर ऑलआउट, अभिमन्यु का शतक

लखनऊ, 4 अक्टूबर। ईरानी ट्राफी का चौथा दिन स्पिनर्स के नाम रहा है। इस दौरान पूरे दिन में स्पिनर्स ने 11 विकेट लिए। सिर्फ एक विकेट यश दयाल रन आउट हुए। पहले तीन दिन का मैच बल्लेबाजों और पेसर्स के नाम रहा था। मैच के चौथे दिन रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 289 रनों से आगे खेलना शुरू किया। इस दौरान पूरी टीम 10 ओवर में 416 रनों पर ऑलआउट हो गई।

तनुष कोटियान और शम्स मुलानी ने 3-3 विकेट और मोहित अवस्थी को 2 विकेट मिला। जबकि मोहम्मद जुनैद को एक विकेट मिला। पहली पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया के आउट होने पर मुंबई को 121 रनों की बढ़त मिली। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई की टीम ने 40 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 153 रन बना लिए हैं। अभी मुंबई की टीम ने रेस्ट ऑफ इंडिया पर 274 रनों की बढ़त ले ली है। कल भी सुबह 9:30 बजे से मैच शुरू होगा। मुंबई की टीम ने पहली पारी में 537 रन बनाए थे।

अभिमन्यू ईश्वरन ने 191 रन की पारी खेली ध्रुव जुरैल के रेस्ट ऑफ इंडिया के 393 रन पर आउट होने के बाद पूरी टीम ने सिर्फ 23 रन बनाने में छह विकेट गंवा दिए। 121 बाल पर 93 रन बनाकर खेल रहे जुरैल शम्स मुलानी की गेंद पर कैच आउट हुए और सेंचुरी नहीं पूरी कर सके। इसके बाद अभिमन्यू ईश्वरन भी 396 रन के स्कोर पर शम्स मुलानी की गेंद पर आउट हुए। दोनों के बीच में 165 रनों की साझेदारी हुई। अभिमन्यू ने 292 बाल पर 191 रन बनाए। पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया, लेकिन दोहरे शतक से चूक गए।

मुंबई के लिए दूसरी पारी में शॉ का अर्धशतक मुंबई का दूसरी पारी में पहला विकेट 52 रन के स्कोर पर गिरा। पृथ्वी शॉ ने हाफ सेंचुरी लगाई। वह 105 बाल पर 76 रन बनाकर आउट हुए। पारी में 8 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद सारांश जैन और मानव सुधार की जोड़ी ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए। सरफराज खान और तनुष कोटियान नाबाद हैं। सारांश जैन ने 18 ओवर में 67 रन देकर 4 विकेट लिए हैं।

हॉकी इंडिया लीग की 7 साल बाद वापसी, पहली बार महिला लीग भी होगी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की सात साल बाद 28 दिसंबर से नए स्वरूप में वापसी होगी जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी। महिलाओं की स्पर्धा पहली बार आयोजित की जा रही है। लीग का आयोजन 28 दिसंबर से एक फरवरी तक दो स्थानों राउरकेला और रांची में किया जाएगा। पुरुषों की प्रतियोगिता राउरकेला जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी यहां 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक एकत्र होंगे।

खिलाड़ियों की नीलामी तीन श्रेणियों दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये में की जाएगी। हॉकी इंडिया लीग की वापसी देश में हॉकी के इतिहास में ही एक अहम कदम नहीं है बल्कि महिला हॉकी को बढावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। पहली बार महिला लीग शुरू करने से महिला हॉकी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिये मंच मिलेगा। पुरूष वर्ग में फ्रेंचाइजी मालिक चेन्नई (चार्ल्स ग्रुप), लखनऊ (याडु ग्रुप), पंजाब (जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोर्टस), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोर्टस एंड इंटरटेनमेंट), ओडिशा (वेदांता लिमिटेड), हैदराबाद (रिसोल्यूट स्पोर्टस) और रांची (नवोयम स्पोर्टस वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं।

महिला वर्ग में टीम मालिक हरियाणा (जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोर्टस), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोर्टस एंड इंटरटेनमेंट) और रांची (नवोयम स्पोर्टस वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं। महिला लीग की बाकी दो टीमों का ऐलान बाद में किया जायेगा। हर टीम में 24 खिलाड़ी होंगे जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी होंगे। इनमें चार जूनियर खिलाड़ी और आठ अंतरराष्ट्रीय सितारे होना अनिवार्य है। महिला लीग का फाइनल अगले साल 26 जनवरी को रांची में होगा जबकि पुरूष टीम का फाइनल एक फरवरी को राउरकेला में खेला जायेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और लीग के चेयरमैन दिलीप टिर्की ने कहा कि महासंघ का अध्यक्ष बनने के बाद से उनका सपना लीग को फिर से शुरू करने का था।

फीफा का इजरायल को निलंबित करने से इंकार

फलस्तीन के आरोपों की जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा नेगुरुवार को यहां आयोजित अपनी शीर्ष परिषद की बैठक में इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित नहीं किया, लेकिन फलस्तीन

के अधिकारियों द्वारा लगाए गए कथित भेदभाव के आरोपों की अनुशासनात्मक जांच के आदेश दिए। फीफा ने परिषद की बैठक के बाद कहा कि उसका एक सीनियर पैनल फलस्तीन के क्षेत्र में स्थित इजरायली फुटबॉल टीमों की इजरायली प्रतियोगिताओं में भागीदारी की जांच करेगा। फलस्तीन फुटबॉल महासंघ एक दशक से भी अधिक समय से फीफा से वेस्ट बैंक की बस्तियों की टीमों को अपनी लीग में शामिल करने के लिए इजरायली फुटबॉल संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहा है। फलस्तीन ने मई में फीफा की बैठक में इजरायल की सदस्यता निलंबित करने का आग्रह किया था जिसके चार महीने बाद विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था ने यह फैसला किया।

अफगानी स्पिनर राशिद खान ने शादी की

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने शादी कर ली है। 26 साल के राशिद और उनके 3 भाई जकीउल्लाह, नुमान और नसीम खान ने निकाह कबूल किया। शुक्रवार को सोशल मीडिया में राशिद की शादी की

फोटो और वीडियो अपलोड हुई। हालांकि, इनमें राशिद की पत्नी की तस्वीर नहीं है। काबुल के इंपीरियल कॉन्टिनेंटल होटल में आयोजित शादी समारोह में मोहम्मद नबी के साथ कई अफगानिस्तानी क्रिकेटर शामिल हुए। इनमें अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, रहमत शाह और मुजीब उर रहमान शामिल रहे।

देश के पहले एयरो-स्पोर्ट्स 'बैलून फिएस्टा 2024' का दिल्ली में होगा आयोजन

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। भारत मंच ट्रस्ट अतुल्य भारत के सहयोग से देश में पहली एयरो-स्पोर्ट्स 'बलून फिएस्टा 2024' कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। भारत मंच ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष और फेस्टिवल डायरेक्टर डॉ. प्रशांत द्विवेदी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया यह कार्यक्रम अतुल्य भारत के विजन के तहत दिल्ली के आसमान के साथ जमीन एवं जल में आयोजित किया जाएगा। यह आकाश, जल, थल में आयोजित होने वाला यह पहली अनोखी स्पर्धा है जिसका उद्देश्य देश में विभिन्न पर्यटन अनुभवों को बढ़ावा देना है। बैलून फिएस्टा 2024 विजय रथ फाउंडेशन और उत्सव इवेंट्स के सहयोग से 18 से 24 अक्टूबर 2024 तक भलस्वा झील आउटर रिंग रोड नयी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारत के पहले लाइसेंस प्राप्त हॉट एयर बैलून पायलट कैप्टन इमो चाओबा द्वारा निर्देशित ये सवारी, बैलून फिएस्टा 2024 के दौरान प्रमुख आकर्षणों में से एक होगी।

न्यूजीलैंड ने भारत को दिया 161 रन का लक्ष्य

8वें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने सूजी बेट्स को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई

दुबई, 4 अक्टूबर। कप्तान सोफी डिवाइन (नाबाद 57) और जॉर्जिया प्लिमर (34) की शानदार पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को महिला टी-20 विश्वकप के चौथे मुकाबले में भारत को जीत के लिए 161 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान सोफी डिवाइन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया।

सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर की सलामी जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 67 रन जोड़े। आठवें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने सूजी बेट्स को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। सूजी बेट्स ने 24 गेंदों में 27 रन बनाये। अगले ही ओवर में सोभना आशा ने जॉर्जिया प्लिमर को स्मृति के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। जॉर्जिया प्लिमर ने 23 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (34) रन बनाये।

एमेलिया कर (14) और ब्रूक हैलिडे (16) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान सोफी डिवाइन ने 36 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (नाबाद 57) रन बनाये। मैडी ठाीन (8) रन बनाकर नाबाद रही। दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 160 का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से रेणुका सिंह ने दो विकेट लिये। अरुंधति रेड्डी और सोभना आशा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दिल्ली प्रीमियर लीग : कर्मण्य का कमाल, रॉयल रेंजर्स और डीएफसी मैच रहा ड्रॉ

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। कर्मण्य बंसल के दो दर्शनीय गोलों की मदद से रॉयल रेंजर्स ने दिल्ली एफसी को 3-3 की बराबरी पर रोक कर न सिर्फ अंक बांटे, बल्कि खूब वाहवाही भी लूटी। दिल्ली प्रीमियर लीग के तीसरे संस्करण के उतार-चढ़ाव से भरपूर मुकाबले में युवा खिलाड़ियों से सजी दिल्ली एफसी ने तीन बार बढ़त बनाई और हर बार अनुभवी रॉयल रेंजर्स के खिलाड़ी बराबरी पाने में सफल रहे। दिल्ली एफसी के लिए जगमीत, वेनलालझाहामा और थांगखोंगमायूम ने गोल किए, जिन्हें बिजोय और कर्मण्य (2) ने बराबर कर दिखाया। राजधानी दिल्ली स्थित डॉ. बीआर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले के 33वें मिनट में जगमीत ने दिल्ली एफसी का खाता खोला, जिसे दस मिनट बाद बिजोय ने बराबर कर दिया। 53वें और 87वें मिनट में क्रमश: वेनलाल और थांगखोंग द्वारा जमाए गोलों को दो मिनट के भीतर उतार फेंक कर कर्मण्य मैच का हीरो बन गया।

मंधाना के बारे में बोली, चेहरे के भाव देखकर ही एक-दूसरे की बात समझ जाते हैं : शेफाली

दुबई, 4 अक्टूबर। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि उनका अपनी जोड़ीदार स्मृति मंधाना से इतना जबर्दस्त तालमेल है कि दोनों बल्लेबाजी के दौरान एक दूसरे के चेहरे के भाव देखकर मन की बात पढ लेते हैं। पिछले कुछ वर्ष में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के अच्छे प्रदर्शन के पीछे उसके सलामी बल्लेबाजों की सफलता भी है। शेफाली ने कहा कि उन्हें पता है कि टीम के लिये उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण है।

शेफाली ने मंधाना के साथ तालमेल के सवाल पर स्टार स्पोर्टस से कहा ,'' मैं पिछले दो तीन साल से मंधाना के साथ पारी की शुरूआत कर रही हूं और अब हम बल्लेबाजी के दौरान चेहरे के भाव से ही एक दूसरे के मन की बात पढ लेते हैं। हमें एक दूसरे की ताकत और कमजोरियां पता हैं और हम एक दूसरे को सकारात्मकता देते हैं।''उन्होंने कहा ,'' हमें पता है कि टीम के लिये हम दोनों कितने अहम है खासकर पावरप्ले के दौरान। इसीलिये हम अपने लिये, टीम के लिये और देश के लिये अच्छे प्रदर्शन का प्रयास करते हैं।''

शेफाली ने कहा ,'' स्मृति दी की टाइमिंग कमाल की है और उन्हें पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाना आता है। मुझे उनकी यही बात बहुत पसंद है।'' उन्होने कहा कि विश्व कप जीतना कप्तान हरमनप्रीत कौर का सपना है। उन्होंने कहा ,'' हरमनप्रीत दी खेल को लेकर काफी जुनूनी है। विश्व कप जीतना उनका सपना रहा है और मैं उम्मीद करती हूं कि उनका यह सपना सच हो जाये। वह महान खिलाड़ी और शानदार कप्तान है जो हमें प्रेरित करती है।

वी पोलो ने आर्मी रेड को 6 गोलों से हराया

जयपुर, 4 अक्टूबर। पीपीसी मैदान पर खेले गए मैच में वी पोलो ने आर्मी रेड को 4 के मुकाबले 6 गोलो से हराया। वी पोलो की ओर से मजीनी ने तीन, अंगद कलान ने 2, ओर निमित मेहता ने एक गोल किया वहाँ आर्मी रेड की ओर से रविन्द्र मांग, कैप्टन एआरएस वारिच, विशाल चौहान और गंजालो यनजोंन ने एक एक गोल किया।

विश्व कप जीतकर लगा जैसे नया जीवन मिल गया : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि इस साल के शुरू में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्हें लगा कि जैसे नया जीवन मिल गया है। भारत को पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन अमेरिका और वेस्टइंडीज में इस साल खेले गए टी20 विश्व कप में उसने दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लंबे समय से चले आ रहे इंतजार को खत्म किया था। रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने वनडे विश्व कप में अपने शुरुआती 10 मैच जीते लेकिन अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में वह ऑस्ट्रेलिया की चुनौती से पार नहीं पा सकी। रोहित ने अहमदनगर में क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन करते हुए वहां बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों से कहा,''मैं बहुत अच्छी मराठी नहीं बोलता हूं लेकिन फिर भी प्रयास करूंगा। हमारे लिए विश्व कप जीतना सबसे बड़ा लक्ष्य था। विश्व कप जीतने के बाद मुझे लगा जैसे नया जीवन मिल गया है।'' उन्होंने कहा,''हम यहां अपनी क्रिकेट अकादमी शुरू कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह अकादमी यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी तैयार करेगी।'' भारत की बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार जीत के बाद रोहित और कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों को टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है। भारत की टीम इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी और फिर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी जिसका पहला मैच 22 नवंबर से शुरू होगा।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में खेल महाकुंभ का आगाज

अल्मोड़ा/नैनीताल, 4 अक्टूबर। उत्तराखंड में शुक्रवार को खेल महाकुंभ, 2024 का आगाज हो गया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने अल्मोड़ा में इसका शुभारंभ किया। खेल महाकुंभ के तहत आज अल्मोड़ा के हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में खत्याड़ी न्याय पंचायत की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस अवसर पर खेल मंत्री श्रीमती आर्या ने कहा कि खेल महाकुम्भ के माध्यम से प्रतिभावान ग्रामीण बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को न्याय पंचायत से ब्लॉक स्तर, जनपद स्तर एवं राज्य स्तर पर अपना दमखम दिखान का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि उत्तराखंड में नई खेल नीति बनी तथा खिलाड़ियों को भी राज्य की सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ से खेल प्रतिभाओं को सामने आने का मौका मिलता है।

महिला टी-20 विश्वकप : दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को रिकॉर्ड 10 विकेट से हराया

दुबई, 4 अक्टूबर। कप्तान लॉरा वुलफार्ट (नाबाद 59) और तेजमिन ब्रिट्स (नाबाद 57) रनों की बेहतरीन अद्धर्शतकीय पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को महिला टी-20 विश्वकप के तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को रिकार्ड 10 विकेट से पराजित कर दिया हैं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से चार विकेट लेने वाली नोनकुलुलेको म्लाबा को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

आज यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 119 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ी संयम के साथ शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए मैदान के चारो तरफ शॉट खेलते हुए रन बटोरे। दोनों ही बल्लेबाजों पर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों का कोई असर नहीं दिखा। लॉरा बुलफार्ट ने 55 गेंदों में सात चौके लगाते हुये (नाबाद 59) रनों की पारी खेली।

वहीं उसकी जोड़ीदार तेजमिन ब्रिट्स ने 52 गेंदों में छह चौके लगाते हुये (नाबाद 57) रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका ने 17.5 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 119 रन बनाकर यह मुकाबला रिकार्ड 10 विकेट से जीत लिया। टी-20 महिला विश्वकप में यह पांचवी बार जब कोई टीम 10 विकेट से जीती हो। दक्षिण अफ्रीका दो बार 10 विकेट से जीत दर्ज करने वाली पहली टीम है।

इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15के स्कोर पर कप्तान हेली मैथ्यूज (10) का विकेट गवां दिया। इसके बाद नोनकुलुलेको म्लाबा ने किआना जोसेफ (चार) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। डिएंड्रा डॉटिन (13) तीसरे विकेट के रूप में आउट हुई।

शमैन कैंपबेल (17), शिनेल हेनरी (शून्य) और आलिया ऑलेन (7) रन बनाकर आउट हुई। स्टेफानी टेलर ने वेस्टइंडीज के लिए 41 गेंदों मे सर्वाधिक (नाबाद 44) रन बनाये। जायडा जेम्स (15) रन बनाकर आउट हुई। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 118 का स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से नोनकुलुलेको म्लाबा ने चार विकेट लिये। मैरीजान कैप्प ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

सीनियर महिला फुटबॉल नेशनल चैम्पियनशिप रविवार से

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया पोस्टर विमोचन

जयपुर, 4 अक्टूबर। भारतीय फुटबाल महासंघ द्वारा आयोजित राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी के लिए खेली जाने वाली सीनियर राष्ट्रीय महिला फुटबाल प्रतियोगिता का राजस्थान फुटबाल संघ, राजस्थान खेल परिषद और राजस्थान यूनाइटेड फुटबाल क्लब की संयुक्त मेजबानी में राष्ट्रीय फुटबॉल के मुकाबले 6 से 17 अक्टूबर तक विद्याधर नगर स्टेडियम में बने नये फुटबाल ग्राउण्ड पर आयोजित की जा रही है, संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की प्रतियोगिता में पूरे भारत से आठ टीमें हिस्सा लेगी। राजस्थान फ़ुटबॉल संघ की महिला विंग की नई चेयरपर्सन रोशनी टांक हैं। प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन आज जयपुर में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया साथ में संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत, राजस्थान यूनाइटेड के किशन कुमार टाक, फुटबॉल कोच रोहित पराशर और महिला विंग की चेयरमैन रोशनी टांक, श्याम सिंह शेखावत डॉ दिलीप सिंह चुनडावत मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शहीदी मानगढ़ धाम पर आयोजित आदि गौरव सम्मान समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानगढ़ विकास के लिये पांच करोड़ रुपये एवं पुलिस चौकी स्थापित करने की घोषणा की। समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा अगर कोई जल-जंगल -जमीन बचा रहा है तो वह आदिवासी है और आदिवासी ही प्रकृति का संरक्षण करते हैं।

जनजातीय गौरव से देश में नई चेतना का संचार हुआ है- राष्ट्रपति

भानगढ़ धाम में मुख्यमंत्री ने सीतामाता, त्रिपुर सुंदरी, मानगढ़-बेणेश्वर पर्यटन सर्किट बनाने का निर्णय की घोषणा की

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान के आदिवासी खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की।**
- **राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जल-जंगल-जमीन को केवल आदिवासी ही बचा रहा हैं। आदिवासी ही प्रकृति का संरक्षण करता है।**

बांसवाड़ा, 4 अक्टूबर (निसं)। हल्दी घाटी से लेकर शहीदी मानगढ़ धाम की रज पर आदिवासियों के त्याग, समर्पण और राष्ट्र प्रेम की गाथा की महक महसूस की जा सकती है। आदिवासी वीरों के बलिदान की साक्षी रही ये भूमि हमारा जज़्बा जागृत करती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शहीदी मानगढ़ धाम पर आयोजित ''आदि गौरव सम्मान'' समारोह के दौरान उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती पर प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर ''धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान'' का शुभारंभ किया है। इस अभियान से पांच करोड़ से अधिक जनजाति समाज के लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पवित्र मानगढ़ धाम पर गोविन्द गिरि की अलौकिक ज्योति की प्रतीक, धूणी के दर्शन का अवसर मिला और शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने का भी सौभाग्य मिला। उन्होंने बताया कि आने वाले 30 अक्टूबर को हम गोविन्द गुरु की पुण्यतिथि मनायेंगे। इसके बाद 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती सभी देशवासी जनजातीय गौरव दिवस के रुप में मनायेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जनजातीय गौरव के बारे में देश में एक नई चेतना का संचार हुआ है।

राष्ट्रपति ने जनजाति बहुल ग्रामों में बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा और पोषण प्रदान करने के लिये स्थापित मां-बाड़ी समूहों की माताओं और बच्चों से मिलकर अपनी अनुभूतियों को भी बयान किया, वहीं तीरंदाजी और लैक्रोस के बारे में मिली उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की आदिवासी बेटी सुनीता मीना देश की लैक्रोस टीम की कप्तान चुनी गयी है। राजस्थान के जनजातीय समाज के बेटे और बेटियां खेलकूद की राष्ट्रीय और अंतर-राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आदिवासी समाज, राज्य और देश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 17 नवंबर 1913 हमारे स्वाधीनता संग्राम तथा जनजातीय आंदोलनों की दुखद् तारीख है। इसी दिन मानगढ़ धाम में अंग्रेजों ने भील समुदाय के1500 से अधिक बहादुरों की निर्मम हत्या की थी। उन्होंने कहा कि इस गौरवशाली बलिदान के बारे में देश और विशेषकर युवाओं को जानकारी होनी चाहिए, क्योंकि शौर्य गाथाएं शिक्षा का अभिन्न अंग हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शहीदी धाम पर राष्ट्रपति से मिलना खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। सरकार सीता माता अभ्यारण्य, त्रिपुरा सुंदरी, मानगढ़, बेणेश्वर के लिये सर्किट बना रही है। यहां के आदिवासी लोगों के लिये ''आदि गौरव सम्मान'' की शुरुआत की गयी है। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली झारखंड के लिये विशेष रेल चलवाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों के भत्तों में बढ़ोतरी के बारे में भी जानकारी दी। शर्मा ने मानगढ़ विकास के लिये 5 करोड़ रुपये एवं पुलिस चौकी स्थापित करने की घोषणा भी की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आदि गौरव सम्मान शुरु करके अच्छी पहल की है। अगर कोई जल-जंगल-जमीन बचा रहा है तो वे आदिवासी हैं और आदिवासी ही प्रकृति का संरक्षण करते हैं क्योंकि वे संस्कृति और परम्परा की जड़ों से जुड़े हैं।

समारोह में अनेक लोगों को तथा पंचायतों को ''आदि गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के उपवर्गीकरण की समीक्षा याचिकाएं खारिज कीं

गत 1 अगस्त को सर्वोच्च न्यायलय ने एस.सी. तथा एस.टी. के आरक्षण में उपवर्गीकरण को सही ठहराया था

- **सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की समीक्षा की मांग करते हुए कई याचिकाएं दायर हुई थीं। मुख्य न्यायाधीश सहित सात न्यायाधीशों की बैंच ने 1 अगस्त 2024 के फैसले की समीक्षा की मांग अस्वीकार कर दी।**

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण में उप-वर्गीकृत कर वंचित समूहों को तरजीह देने की अनुमति देने से संबंधित एक अगस्त 2024 के अपने फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली सभा याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने समीक्षा याचिकाओं पर विचार के बाद पिछले दिनों अपना फैसला दिया। पीठ ने समीक्षा याचिकाओं पर कहा कि एक अगस्त के उसके फैसले में रिकॉर्ड को देखते हुए उसमें उसे कोई त्रुटि नहीं दिखती है।

पीठ ने कहा उच्चतम न्यायालय रूल्स 2013 के आदेश नियम 1 के तहत समीक्षा के लिए कोई मामला नहीं बनता है। इसलिए, समीक्षा याचिकाओं को खारिज किया जाता है।

शीर्ष अदालत ने मामले में खुली अदालत में सुनवाई के लिए एक आवेदन को भी खारिज कर दिया।

उच्चतम न्यायालय के नियमों के अनुसार, समीक्षा याचिका पर दस्तावेजों के आदान-प्रदान के माध्यम से अधिवक्ता की उपस्थिति के बिना न्यायाधीशों के कक्ष में विचार किया जाता है। शीर्ष न्यायालय ने एक अगस्त, 2024 के अपने फैसले में एस.सी. और एस.सी. के उप-वर्गीकरण को संवैधानिक रूप से स्वीकार्य माना था। न्यायालय ने अपने फैसले में एस.सी./एस.टी. के बीच भी क्रीमी लेयर के सिद्धांत को लागू करने का समर्थन किया था।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की मां ने 25 जुलाई, 2021 को प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि वह अपनी 16 साल की बेटी और बेटे के साथ किराए के मकान में रहती है। तीन साल पहले अभियुक्त उसके बेटी और बेटे का धर्म का भाई बनकर उनके साथ ही रहने लगा। इस दौरान अभियुक्त बेटे की कभी-कभार आर्थिक मदद भी कर देता था। इस दौरान अभियुक्त उसकी बेटी से फोन पर अश्लील बातें करता था, जिसकी जानकारी उसे नहीं हुई। वहीं, 27 जून को उसके बेटे को मारपीट के मामले में जेल हो गई थी। इस पर अभियुक्त मदद के नाम पर 7 जून को पीड़िता को अपने साथ ले गया।

अभियुक्त ने एक फ्लैट में ले जाकर पीड़िता को नशीला पानी पिलाया और बेहोशी की हालत में उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद भी अभियुक्त ने कई बार उससे गलत काम करने का प्रयास किया। ऐसे में अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई की जाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि मामले में रिपोर्ट कई दिनों बाद दर्ज कराई गई है। इसके अलावा, उसने पीड़िता के जीजा को रुपए उधार दिए थे। जब उसने उधार लौटाने को कहा तो दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया और उसे इस मामले में फंसाने के लिए रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

भाजपा छोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विश्वास नहीं है। उन्होंने हरियाणा की जनता, खासतौर दलितों, पिछड़ों तथा समाज के वंचित वर्ग से अपील की कि वे शनिवार को विधानसभा चुनावों के लिये होने वाले मतदान में कांग्रेस को वोट दें ताकि हरियाणा फिर से एक नम्बर का राज्य बन सके।

यहाँ कांग्रेस मुख्यालय पर ए.आई.सी.सी. कोषाध्यक्ष अजय माकन के साथ, एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को सम्बोधित करते हुये अशोक तँवर ने कहा कि उन्होंने भाजपा इसलिये छोड़ी, क्योंकि वह लोगों को बाँटने के लिये जाति एवं धर्म की मदद लेती है, जबकि राहुल गांधी संविधान को बचाने तथा देश को संगठित करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं।

माकन ने कहा कि तँवर के विस्तृत अनुभव से कांग्रेस को हरियाणा में फिर से एक मजबूत पार्टी बनने में मदद मिलेगी।

मां-बेटी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमलों से ग्रामीणों में, खासकर वन विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ जोरदार गुस्सा देखने को मिल रहा है। एक दिन पहले भी केवलों का खेड़ा गांव में ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों पर पत्थरबाजी करते हुए उन्हें वहां से दौड़ाया था। कर्मचारियों ने स्कूल में बंद होकर अपनी जान बचाई। बाद में एस.डी.एम. नरेश सोनी, थानाधिकारी शैतानसिंह नाथावत और उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली मौके पर पहुंचे तथा लोगों को समझाया।

विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे

विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान में 15-16 अक्टूबर को होने वाले शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे

- **विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा सिर्फ एस.सी.ओ. समिट के लिए हो रही है, इससे अधिक कुछ भी देखने की जरुरत नहीं है।**

नयी दिल्ली, 04 अक्टूबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर 15 एवं 16 अक्टूबर को शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने पाकिस्तान जाएंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होने वाले एस.सी.ओ. शिखर सम्मेलन के लिए पाकिस्तान में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

एस.सी.ओ. शिखर-सम्मेलन के इतर मेजबान पाकिस्तान के साथ मंत्रिस्तरीय द्विपक्षीय बैठक होने और भारत पाकिस्तान के बीच बातचीत के दरवाजे खुलने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्री की यात्रा सिर्फ एस.सी.ओ. शिखर सम्मेलन के लिए हो रही है। इससे अधिक कुछ देखने की जरूरत नहीं है।

हालांकि बैठक में शामिल होने वाले अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकातों के बारे में उचित समय पर जानकारी साझा की जाएगी।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) को फिर से जीवित करने की पैरोकारी किये जाने पर जायसवाल ने कहा कि हम क्षेत्रीय सहयोग को, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को गहरा महत्व देते हैं इसलिए हमने दक्षेस पर बिम्सटेक को प्रोत्साहन दिया है। हम क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं, लेकिन इसकी वजह सभी जानते हैं। उस प्रारूप में यह विशेष सहयोग (दक्षेस) आगे क्यों नहीं बढ़ रहा है। एक विशेष देश के पास काम करने का एक विशेष तरीका है, जो दक्षेस को बाधित कर रहा है।

भारतीय भगोड़े इस्लामिक प्रचारक ज़ाकिर नाइक के पाकिस्तान में स्वागत सत्कार को लेकर एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा, हमने रिपोर्टें देखी हैं कि वह (जाकिर नाइक) पाकिस्तान में प्रवेश कर चुका है और वहां उसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। यह हमारे लिए आश्चर्य की बात नहीं है कि एक भारतीय भगोड़े का पाकिस्तान में उच्च स्तरीय स्वागत किया गया है। यह निराशाजनक और निंदनीय है लेकिन आश्चर्य की बात कतई नहीं है।

ऑपरेशन में आँख खराब होने पर अस्पताल पर 16.61 लाख का जुर्माना

- **जिला उपभोक्ता आयोग ने माना कि ऑपरेशन में लापरवाही से आँख में इन्फेक्शन हुआ और आँख की पुतली खराब हो गयी।**
- **आयोग ने डॉक्टर राजकुमार शर्मा और डॉ.आर.एम. सहाय मैमोरियल हॉस्पिटल पर यह जुर्माना लगाया।**

जयपुर, 4 अक्टूबर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने मोतियाबिंद के ऑपरेशन में लापरवाही से मरीज की आंख खराब होने को गंभीर कृत्य एवं सेवा दोष बताया है। इसके साथ ही, आयोग ने ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक राजकुमार शर्मा व डॉ. आर.एम. सहाय मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर पर 16.61 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने विपक्षी को निर्देश दिए हैं कि वह ऑपरेशन व लेंस के लिए परिवादी से वसूले 18 हजार रुपए उसे परिवाद दायर करने की तारीख से 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश शकुंतला देवी के परिवाद पर दिए। आयोग ने कहा कि परिवादिया के ऑपरेशन में बरती गई लापरवाही से उसकी आंख में इंफेक्शन हुआ और उसकी आंख की पुतली खराब हो गई, जिससे उसकी रोशनी हमेशा के लिए चली गई।

मामले के तथ्यों से भी यह साबित है कि विपक्षी डॉक्टर ने उसकी आंख का सही तरीके से ऑपरेशन नहीं किया।

परिवाद में कहा गया कि परिवादिया ने दांयी आंख में परेशानी होने पर विपक्षी डॉक्टर के घर पर 19 दिसंबर 2005 को दिखाया। इसके बाद 17 दिसंबर, 2006 को उसकी आंख में इंजेक्शन लगाया, जिससे उसकी आंख में कई दिनों तक दर्द रहा। वह लगातार डॉक्टर के संपर्क में रही और उसके अनुसार ही दवाइयां लेती रही। इस दौरान 24 सितंबर 2008 को उसे मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई, जिस पर 26 सितंबर 2009 को डॉक्टर राजकुमार ने उसकी आंख का ऑपरेशन कर दिया और इसके लिए लेंस व ऑपरेशन के 18 हजार रुपए परिवादिया से लिए। ऑपरेशन के कुछ दिन बाद जब उसकी आंख की पट्टी खोली गई तो उसे दिखाई नहीं दिया और पुतली भी सफेद हो गई। परिजनों ने जब इस संबंध में डॉक्टर से पूछा तो उसने आंख में दवाई डालने के लिए कहा, लेकिन आंख में सूजन व इंफेक्शन हो गया।

क्षत्रप...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की चलने लगती है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हुड्डा ने तँवर को हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। उन्होंने दलित नेता कुमारी सैलजा द्वारा प्रस्तावित उम्मीदवारों को भी टिकट नहीं दिया था।

कांग्रेस के अन्दर अपने प्रतिद्वंदियों का इसी प्रकार का बहिष्कार राजस्थान में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने, मध्य प्रदेश में दिग्विजय सिंह तथा कमलनाथ ने, छत्तीसगढ़ में भूपेन्द्र बघेल ने, उत्तराखण्ड में हरीश रावत ने, पंजाब में कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने तथा हिमाचल प्रदेश में वीरभद्र सिंह ने किया था।

यहाँ तक कि ये क्षत्रप राहुल गांधी के समर्थकों पर भी प्रहार करते हैं और राहुल बेबस देखते रह जाते हैं।

क्या मोहन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे मोदी और भागवत, दोनों में से किसी के भी एजेंडा को क्रियान्वित न कर सकें।

मोदी, गडकरी तथा वसुंधरा राजे सिंधिया तक को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि सिंधिया बड़ी अड़ियल नेता मानी जाती हैं।

वे उस समय भी मोदी-शाह के सम्मुख नहीं झुकी थीं, जब वे दोनों राजे को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से हटा देना चाहते थे। सिंधिया ने धमकी दे दी थी कि वे पार्टी को तोड़ देंगी तथा अपने समर्थक विधायकों के बल पर सरकार बना लेंगी।

गतिरोध जारी है तथा यह स्थिति महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद तक चल सकती है। अगर भाजपा चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में हार जाती है, जैसी कि अटकलें लगाई जा रही हैं, तो आर.एस.एस. के सामने काफी कमज़ोर नरेन्द्र मोदी होंगे।

अभी आगे बहुत कुछ होना बाकी है और कटुता भी बढ़ सकती हैं।

वेतनमान कम करने के शिक्षा विभाग के आदेश को हाई कोर्ट ने रद्द किया

- **शिक्षा विभाग में 2006 में अनुकंपा पर नियमित वेतनमान में नियुक्ति दी गयी थी। बाद में उसे फिक्स वेतन पर करने के आदेश निकाले थे।**

जयपुर, 4 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अनुकंपा पर नियमित वेतनमान पर दी गई नियुक्ति को बाद में फिक्स वेतन पर करने के शिक्षा विभाग के 10 मई, 2006 को जारी आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक को स्वतंत्रता दी है कि वे याचिकाकर्ता को सुनवाई का मौका देते हुए तीन माह में नया आदेश जारी करें। अदालत ने स्पष्ट किया है कि नया आदेश जारी करने तक वसूली की कार्रवाई प्रभावी नहीं रहेगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश अनूप सिंह डागुर की याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

याचिका में, अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को 27 फरवरी, 2006 को अनुकंपा के तहत नियमित वेतनमान पर शिक्षा विभाग में एल.डी.सी. पद पर नियुक्त किया गया था। जहां उसने कार्यग्रहण कर दो माह तक नियमित वेतनमान भी प्राप्त किया। वहीं, विभाग ने अचानक 10 मई, 2006 को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को नियमित वेतनमान के स्थान पर दो साल तक परिवीक्षा पर रखने और इस दौरान फिक्स वेतन देना तय किया। इसके अलावा, याचिकाकर्ता को बीते महिनों में दिए नियमित वेतनमान की रिकवरी भी निकाल दी। याचिकाकर्ता से कहा गया कि उसकी अनुकंपा नियुक्ति नियम, 1996 के तहत हुई है।

इन नियमों में फिक्स वेतन देने का प्रावधान नहीं है। इसके अलावा, एक बार नियमित वेतनमान पर नियुक्ति देने के बाद उसे फिक्स वेतन में नहीं बदला जा सकता।

याचिका में यह भी बताया गया कि विभाग ने उसकी नियुक्ति के बाद एक आदेश को भूतलक्षी प्रभाव से लागू कर वेतनमान में बदलाव किया है। इस दौरान याचिकाकर्ता को सुनवाई का कोई मौका भी नहीं दिया गया। दूसरी ओर विभाग की ओर से कहा गया कि विभाग के नियमों के तहत कर्मचारी को नियुक्ति के शुरुआती दो साल परिवीक्षा के तौर पर फिक्स वेतन पर रखा जाता है।

हाईड्रोजन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से चलने वाले पाँच मेन्टिनेंस वाहन भी विकसित किये जा रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक की लागत 10 करोड़ रु. है।

भारतीय रेलवे के अधिकारियों का अनुमान है कि एक हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण -व्यय 80 करोड़ रु. होगा, जबकि ग्राउंड इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिये 70 करोड़ रु. का निवेश अलग से करना होगा।

'ग्रीन एच इलेक्ट्रोलिसिस' नामक एक कम्पनी ने जींद में रीफ्यूलिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी स्थापित कर दी है, जो प्रत्येक ट्रेन के लिये 1 मेगावाट पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन (पी.ई.एम.) इलेक्ट्रोलाइजर सप्लाई करेगी।

इस कम्पनी के एक अधिकारी ने कहा कि यह प्लांट, जिसमें 3000 किग्रा. हाइड्रोजन एक स्टोरेज यूनिट, एक कम्प्रेसर तथा दो हाइड्रोजन के लिए डिस्पेंसरर्स शामिल हैं, रोजाना 430 किग्रा. हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 30 नक्सली मारे गए

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बल विस्तृत नक्सली ऑपरेशन चला रहे हैं

- **राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नारायणपुर दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों व नक्सलियों की मुठभेड़ की पुष्टि की तथा सुरक्षाबलों की सफलता पर बधाई दी।**

नारायणपुर, 04 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ में चल रहे अब तक के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन में शुक्रवार को सुरक्षा बल के जवानों ने 30 नक्सलियों को मार गिराया। नारायणपुर और दंतेवाड़ा की सीमा पर अबूझमाड़ क्षेत्र में यह मुठभेड़ नेंदूर एवं थुलथुली गांव के जंगलों में हो रही थी। पुलिस तथा नक्सलियों के बीच आज दोपहर से ही मुठभेड़ जारी है, जिसमें करीब 28 नक्सलियों के शव बरामद किये गए हैं।

राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवानों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 28 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। साय ने कहा, जवानों को मिली यह बड़ी कामयाबी सराहनीय है। उनके हौसले और अदम्य साहस को नमन करता हूं। नक्सलवाद के खात्मे के लिए शुरू हुई हमारी लड़ाई अब अपने अंजाम तक पहुंचकर ही दम लेगी। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज ने इस मुठभेड़ में 30 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने दावा किया कि इस मुठभेड़ में शामिल सुरक्षा बलों के जवानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

मौके से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में एके 47, एसएलआर सहित कई अन्य हथियार भी बरामद किये हैं। यह मुठभेड़ नेंदूर और थुलथुली गांव के जंगलों में हो रही थी।

बताया जाता है कि गुरुवार को डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के थाना ओर्चा तथा बारसूर क्षेत्र के गांव गोवेल, नेंदूर एवं थुलथुली की ओर सर्च अभियान के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान आज अपराह्न लगभग 12:30 से 1:00 बजे के बीच पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। मुठभेड़ में 30 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षा बलों द्वारा सर्च अभियान अभी भी जारी है।

इस साल बस्तर क्षेत्र में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों ने 171 नक्सलियों को मार गिराया गया है। बस्तर क्षेत्र में दंतेवाड़ा और नारायणपुर सहित 7 जिले शामिल हैं। उधर, 11 दिन में यह तीसरी मुठभेड़ है। 24 सितंबर को भी सुकमा जिले में मुठभेड़ हुई थी।

इस दौरान एनकाउंटर में 2 नक्सलियों को ढेर किया गया था। हालांकि दोनों शव को उनके साथी अपने साथ ही ले गए।

मिर्जापुर में ट्रक-ट्रेक्टर ट्रॉली भिड़ंत में 10 मरे

उत्तर प्रदेश, 04 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में गुरुवार देर रात एक ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मिर्जापुर के पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि यह दुर्घटना देर रात करीब एक बजे मिर्जापुर-वाराणसी सीमा पर कछवां और मिर्जामुराद के बीच जीटी रोड पर हुई। एस.पी. ने बताया, ''ट्रैक्टर-ट्रॉली में 13 मजदूर थे जो भदोही जिले में निर्माण कार्य करके लौट रहे थे, तभी उनके वाहन को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया।'' सूचना मिलते ही एसपी अभिनंदन और अन्य अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

एस.पी. ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर उन्हें शवगृह भेजा है और घायलों को तुरंत ट्रॉमा सेंटर (काशी हिंदू विश्वविद्यालय) वाराणसी भेजा गया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। इस संबंध में कछवां थाने में मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में हुए सड़क हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के लिये दो-दो लाख रुपये की सहायता की घोषणा की है।

मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908